दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 59 | ग्वालियर बुधवार 7 दिसम्बर 2022 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज़ ट्रैक

त्रिपुरा में आदिवासी लड़की से बलात्कार, तीन आरोपी गिरफ्तार

त्रिपुरा के गोमती जिले में एक नाबालिग आदिवासी लड़की से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है. पुलिस अधिकारी ने यह बताया रेप करने वाले एक लड़के से लड़की के एक साल से संबंध थे. पुलिस अधिकारी ने बताया कि सामूहिक बलात्कार का मामला दर्ज कराए जाने के बाद तीनों को रायबाड़ी इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया है. वहीं लड़की की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है. पुलिस के मुताबिक, उदयपुर अनुमंडल की 15 वर्षीय लड़की के एक आरोपी के साथ करीब एक साल से संबंध थे. किल्ला पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी लक्ष्यबीर जमातिया ने कहा कि युवक ने युवती को रायबाड़ी इलाके में आने को कहा था और उसी के अनुसार वह शनिवार को वहां गई थी. लड़का उस लड़की को किसी सुनसान जगह पर ले गया, जहां उसके दो दोस्त पहले से उसका इंतजार कर रहे थे. इसके बाद उन्होंने लड़की के साथ बलात्कार किया और उसे बेहोशी की हालत में छोड़ कर चले गए. पुलिस अधिकारी ने बताया कि होश में आने पर लड़की ने ही पुलिस को फोन करके मामले की जानकारी दी. इसके बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंची. अधिकारी ने कहा कि लड़की की हालत अब ठीक है और तीन कथित बलात्कारियों को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया. सामूहिक बलात्कार के प्रावधान के साथ-साथ कड़े पोक्सो अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की जा चुकी है. इस घटना से इलाके में आक्रोश बताया जा रहा है. लोगों में आरोपियों को लेकर भारी नाराजगी व्याप्त है.

लखीमपुर खीरी हिंसा केस में आशीष मिश्रा सहित 14 पर आरोप तय

लखीमपुर खीरी के तिकोनिया में हुई हिंसा के मामले में मंगलवार (6 दिसंबर) को आशीष मिश्रा समेत 14 अभियुक्तों के खिलाफ लखीमपुर खीरी की अदालत में आरोप तय किए गए. आशीष मिश्रा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे हैं. जिला शासकीय अधिवक्ता अरविंद त्रिपाठी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अपर जिला न्यायाधीश सुनील कुमार वर्मा की अदालत में तिकोनिया कांड मामले में आशीष मिश्रा समेत 14 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय किए गए. त्रिपाठी ने बताया कि जिन अभियुक्तों पर आरोप तय हुए उनमें आशीष मिश्रा के साथ-साथ अंकित दास, नंदन सिंह बिष्ट, लतीफ काले, सत्यम उर्फ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, शेखर भारती, सुमित जायसवाल, आशीष पांडे, लवकुश राणा, शिशुपाल, उल्लास कुमार उर्फ मोहित त्रिवेदी, रिंकू राणा, वीरेंद्र शुक्ला और धर्मेंद्र बंजारा शामिल हैं. उन्होंने बताया कि वीरेंद्र शुक्ला पर भारतीय दंड विधान की धारा 201 के तहत आरोप तय किया गया है. बाकी अभियुक्तों पर इन पर भारतीय दंड विधान की धारा 147, 148, 149, 302, 307, 326, 427 और 120 (ख) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177 के तहत आरोप तय किए गए. त्रिपाठी ने बताया कि इसके अलावा आशीष मिश्रा, अंकित दास, नंदन सिंह बिष्ट, सत्य प्रकाश त्रिपाठी, लतीफ काले और सुमित जायसवाल के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत भी आरोप तय किए गए हैं. उन्होंने बताया कि अदालत ने अभियोजन पक्ष से आगामी 16 दिसंबर को न्यायालय में सबूत पेश करने को कहा है. गौरतलब है कि तीन अक्टूबर 2021 को निघासन क्षेत्र के तिकोनिया गांव में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी.

सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, कांग्रेस ने रखी ये मांग

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सरकार ने नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक बुलाई. इस बैठक में संसद के शीतकालीन सत्र में होने वाले कामकाज को लेकर जानकारी दी गई. बैठक के दौरान बताया गया कि संसद में काफी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होनी है, जिसमें विपक्ष के लोगों को भी ध्यान देकर चर्चा करनी होगी. ये बैठक संसद भवन परिसर में ही चली. बैठक में सरकार की तरफ से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी मौजूद रहे. सर्वदलीय बैठक में सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अर्जुन राम मेघवाल, वी. मुरलीधरन भी बैठक में शामिल हुए तो कांग्रेस से अधीर रंजन चौधरी, तृणमूल कांग्रेस से सुदीप बंधोपाध्याय और डेरेक ओ ब्रायन, आम आदमी पार्टी से संजय सिंह, जनता दल यूनाइटेड से रामनाथ ठाकुर, बीजू जनता दल से पिनाकी मिश्रा, अकाली दल से हरसिमरत कौर बादल और नेशनल कांफ्रेंस से फारूक अब्दुल्ला भी मौजूद रहे. इस बैठक में 47 राजनीतिक पार्टियां जिनका संसद में प्रतिनिधित्व है, उनमें से 31 पार्टियां शामिल हुई. इस बैठक में विपक्षी दलों की तरफ से भी अपने-अपने एजेंडे को सरकार के सामने रखा गया. सर्वदलीय बैठक और संसद के शीत सत्र से पहले कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हमने सरकार को कहा है कि जैसे हिंदू, मुस्लिम के त्योहार होते हैं वैसे ईसाई लोगों का भी त्योहार होता है. यह बात ईसाई लोगों के त्योहार के समय ध्यान रखनी जरूरी है. उनकी जनसंख्या कम है लेकिन यह बात हमें सोचनी चाहिए. उन्होंने कहा कि हम सत्र को छोटा, बंद कर त्योहर मनाने के लिए नहीं कह रहे बल्कि सरकार को इसके बारे में सोचने के लिए कह रहे. सरकार 24-25 विषयों पर चर्चा कराना चाहती है जिसके लिए समय नहीं, क्योंकि यह सत्र 17 दिन का है.

कश्मीर में टारगेट किलिंग पर लगेगी रोक

श्रीनगर और आतंकवाद ग्रस्त इलाकों की गलियों के अंदर तक जवान करेंगे पेट्रोलिंग

जम्मू कश्मीर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने हाइब्रिड आतंकियों द्वारा की जा रही टारगेटेड किलिंग को रोकने के लिए नया प्लान तैयार कर लिया है. इसके लिए पुलिस ने नई और लागू कर दिया है. इस नए प्लान का मकसद टारगेट किलिंग से कश्मीर पंडितों और नॉन लोकल को बचाना और हाइब्रिड आतंकियों का सफाया करना है. नई और अब सुरक्षा एजेंसियां सिर्फ आतंकियों के खिलाफ खुफिया इनपुट मिलने का इंतजार नहीं करेंगी, बल्कि श्रीनगर और आतंकवाद ग्रस्त इलाकों की गलियों के अंदर तक जवानों द्वारा पेट्रोलिंग की जाएगी, ताकि आतंकी कार्रवाई की फिराक में लगे हाइब्रिड आतंकी को ढूढा जा सके, उसे रोका जा सके और उसे मारा या पकड़ा जा सके.श्रीनगर के अंदर दाखिल होने वाले सभी रास्तों पर

स्थायी नाका प्वाइंट बनाने के आदेश जारी किए गए हैं. इसी तरह के आदेश दूसरी आतंक ग्रस्त जिलों को भी दिए गए हैं. सुरक्षा बलों को सप्राइज नाका, सर्च ऑपरेशन और घ्रस्ह ऑपरेशन चलाने के भी आदेश जारी किए गए है. स्ट्रेटजिक नाका को छोड़ कर सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्स के जवानों को भी एंटी टेरर ऑपरेशन का हिस्सा समझा जाएगा. अब किसी भी आतंकी वारदात के लिए सभी एजेंसी की ज्वाइंट अकाउंटेबिलिटी और रिस्पॉन्सिबिलटी होगी. इस नई स्पक्ष आने के बाद अब पाकिस्तान की इस नई चाल को मात देने में मदद मिलेगी. इस नई रणनीति का मकसद कश्मीरी पंडितों के मन से टारगेट किलिंग के डर को मिटाना और उन्हें कश्मीर में सुरक्षित महसूस करवाना है.

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा को लेकर एमएचए की हाई लेवल मीटिंग

जम्मू-कश्मीर में अक्सर आतंक से जुड़ी खबरें सामने आती हैं. इसी को लेकर आज (6 दिसंबर) गृह मंत्रालय ने उच्च स्तरीय बैठक बुलाई. केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला के नेतृत्व में हुई इस बैठक में सुरक्षा की स्थिति को लेकर चर्चा हुई. इसमें मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका और राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक दिनकर गुप्ता सहित कई और अधिकारियों ने हिस्सा लिया. गृह मंत्रालय में हुई अहम बैठक के दौरान जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों, ड्रोन एक्टिविटी, टारगेटेड किलिंग और कश्मीरी पंडितों पर हमलों को लेकर चर्चा की गई. इसमें एनआईए, डीजी, सीआरपीएफ, बीएसएफ, डीजीपी जम्मू कश्मीर, जम्मू कश्मीर के चीड़ सेक्रेटरी और रॉ चीफ के अधिकारी मौदूज रहे. यह बैठक द रेजिस्टेंस फ्रंट पाकिस्तान स्थित

आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ी खबरें सामने आने के बाद की गई, जिसने हाल ही में श्रीनगर जिले के शिक्षा विभाग के 56 कर्मचारियों को एक धमकी भरा पत्र जारी किया था. सरकारी सूत्रों के अनुसार, विभिन्न कश्मीरी पंडित संगठनों ने इसे गंभीर मामला बताते हुए इस मामले पर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. जम्मू-कश्मीर में इस वक्त सबसे बड़ा मुद्दा कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा है. यहां आए दिन कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया जा रहा है. कई लोग हत्या के डर से अपना घर छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं. लोगों का कहना है कि आतंकवादी हमलों ने पंडितों के बीच एक प्रकार का भय पैदा कर दिया है. वह लोग भी घर छोड़ने को मजबूर हैं, जिन्होंने 1990 के दशक में आतंकवाद के सबसे कठिन दौर में भी अपना घर नहीं छोड़ा था.

लखीमपुर खीरी हिंसा केस में आशीष मिश्रा सहित 14 पर आरोप तय

नई दिल्ली। लखीमपुर खीरी के तिकोनिया में हुई हिंसा के मामले में मंगलवार (6 दिसंबर) को आशीष मिश्रा समेत 14 अभियुक्तों के खिलाफ लखीमपुर खीरी की अदालत में आरोप तय किए गए. आशीष मिश्रा केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे हैं. जिला शासकीय अधिवक्ता अरविंद त्रिपाठी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अपर जिला न्यायाधीश सुनील कुमार वर्मा की अदालत में तिकोनिया कांड मामले में आशीष मिश्रा समेत 14 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय किए गए. त्रिपाठी ने बताया कि जिन अभियुक्तों पर आरोप तय हुए उनमें आशीष मिश्रा के साथ-साथ अंकित दास, नंदन सिंह बिष्ट, लतीफ काले, सत्यम उर्फ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, शेखर भारती, सुमित जायसवाल, आशीष पांडे, लवकुश राणा, शिशुपाल, उल्लास कुमार उर्फ मोहित त्रिवेदी, रिंकू राणा, वीरेंद्र शुक्ला और धर्मेंद्र बंजारा शामिल हैं. उन्होंने बताया कि वीरेंद्र शुक्ला पर भारतीय दंड विधान की धारा 201 के तहत आरोप तय किया गया है. बाकी अभियुक्तों पर इन पर भारतीय दंड विधान की धारा 147, 148, 149, 302, 307, 326, 427 और 120 (ख) और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177 के तहत आरोप तय किए गए. त्रिपाठी ने बताया कि इसके अलावा आशीष मिश्रा, अंकित दास, नंदन सिंह बिष्ट, सत्य प्रकाश त्रिपाठी, लतीफ काले और सुमित जायसवाल के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत भी आरोप तय किए गए हैं. उन्होंने बताया कि अदालत ने अभियोजन पक्ष से आगामी 16 दिसंबर को न्यायालय में सबूत पेश करने को कहा है. गौरतलब है कि तीन अक्टूबर 2021 को निघासन क्षेत्र के तिकोनिया गांव में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी. इस मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को मुख्य अभियुक्त बनाया गया है.

किसानों को एक साथ मिलेंगे 6000 रुपए, सरकार ने की तैयारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों के लिए खुशखबरी है. क्योंकि सरकार अब पात्र किसानों को नव वर्ष गिफ्ट के रूप में 13वीं किस्त देने वाली है. आपको बता दें कि जिन किसानों के खाते में 11 व 12वीं किस्त ईकेवाइसी की वजह से ट्रांसफर नहीं हो सकी थी. अब ऐसे किसानों को तीनों किस्तों के पैसे एक साथ भी मिल सकते हैं. विभागीय अधिकारियों का दावा है कि यदि अब संबंधित किसानों ने केवाईसी का काम पूर्ण कर लिया है. साथ ही उनका रजिस्ट्रेशन पूरी तरह ठीक था तो ऐसे किसानों को एकमुश्त 6000 रुपए ट्रांसफर किये जाएंगे. हालाकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी तक नहीं हो सकी है.

17 सितंबर को आई थी 12वीं किस्त-आपको बता दे कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सरकार की महत्वकांशी योजना है. जिसमें लघु एवं सिमांत किसानों के खाते में 2000 रुपए प्रति तिमाही के रूप में आर्थिक मदद भेजी जाती है. अब तक सरकार किसानों के खाते में 12 किस्त ट्रांसफर कर चुकी है. विगत सितंबर को ही प्रधानमंत्री मोदी ने पीएम किसान निधि की 12वीं किस्त देश के लगभग

12 करोड़ किसानों के खाते में ट्रांसफर की थी. लेकिन इसके बावजूद भी लाखों ऐसे किसान निधि से वंचित रह गए थे. जिन्होने डेड लाइन तक अपनी ई-केवाईसी नहीं कराई थी.

इन्हें मिल सकते हैं 6000 रुपए-दरअसल, देश में लाखों किसान ऐसे हैं जिन्हें 11वीं व 12वीं किस्त का लाभ सिर्फ इसलिए नहीं मिला, क्योंकि उन्होने ई-केवाईसी नहीं कराई थी. सूत्रों का दावा है कि यदि अब इन लोगों ईकेवाईसी का काम पूरा करा लिया है तो सरकार इन्हें तीन किस्त का पैसा एक साथ दे सकती है. यानि ऐसे किसानों के खाते में 2 नहीं बल्कि 6000 रुपए ट्रांसफर किये जाएंगे. वहीं यदि अभी भी कुछ किसानों ने ईकेवाईसी का काम पूरा नहीं किया है तो वे इस बार भी 13वीं किस्त से वंचित कर दिये जाएंगे.

जनवरी में आएगी किस्त-जानकारी के मुताबिक जनवरी प्रथम सप्ताह में ही सरकार प्रधानमंत्री सम्मान निधि की 13वीं किस्त खाते में डाल सकती है. इसके लिए तैयारी शुरू कर दी गई है.

हिमाचल में 3 और 2 के फेर में पड़े बीजेपी-कांग्रेस

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में इस बार किसकी सरकार बनेगी इसका फैसला 8 दिसंबर को रिजल्ट जारी होने पर पता चल जाएगा. हिमाचल में सरकार बनाने को लेकर बीजेपी और कांग्रेस अपने-अपने दावे कर रही है. एग्जिट पोल के नतीजों में भी किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिलता नहीं दिख रहा है. एबीपी सी वोटर एग्जिट पोल के मुताबिक, ज्यादातर सीट का मार्जिन कांग्रेस के लिए 32 रखा गया है, जबकि बीजेपी के लिए न्यूनतम 33 है. हिमाचल प्रदेश में इस बार अन्य की सीट का मार्जिन 4 रखा गया है. बता दें कि हिमाचल में कुल 68 विधानसभा सीटें हैं. सरकार बनाने के लिए किसी भी दल को 35 सीटों की जरूरत है. पहली बार चुनाव लड़ रही है आम आदमी पार्टी यहां अपना खाता भी नहीं खोल पा रही है. उसे चुनाव में शून्य सीट मिलने का अनुमान है. एबीपी सी वोटर एग्जिट पोल के अनुसार, बीजेपी को हिमाचल प्रदेश में अगर सबसे कम सीटें मिलती हैं तो सरकार बनाने के लिए कम से कम 2 और सीटों की जरूरत पड़ेगी. वहीं कांग्रेस को सत्ता में वापसी के लिए एक्जिट पोल के नतीजों के मुताबिक 3 और सीटों की जरूरत पड़ सकती है. इसका मतलब साफ है कि इस बार हिमाचल प्रदेश में सत्ता की कुर्सी का रास्ता हो सकता है अन्य से होता हुआ जाएगा. हिमाचल प्रदेश में सरकार बनाने में अन्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. हिमाचल प्रदेश की 68 विधानसभा सीटों पर 12 नवंबर को एक ही चरण में वोट डाले गए थे. राज्य के फाइनल नतीजे चुनाव आयोग आठ दिसंबर को घोषित करेगा. हिमाचल प्रदेश में बीजेपी अपनी जीत को दोहराने का दावा कर रही है, तो वहीं कांग्रेस सत्ता में वापसी को लेकर संघर्ष कर रही है.

महाराष्ट्र-कर्नाटक बार्डर विवाद को लेकर शरद पवार का बड़ा अल्टीमेटम

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा का विवाद बढ़ता ही जा रही है. कर्नाटक के बेलगावी में कुछ लोगों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर दिया. साथ ही यहां सुबह सुबह महाराष्ट्र के वाले ट्रकों पर हमला किया गया, जिसके बाद स्थिति बिगड़ गई. इसे लेकर महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने एतराज जताया है. साथ ही महाराष्ट्र ने कर्नाटक जाने वाली बसों को रोक दिया है. इस बीच एनसीपी के प्रमुख शरद पवार ने 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है. वहीं, सीएम एकनाथ शिंदे ने एक बैठक बुलाई है, जिसमें कई मंत्री शामिल होंगे.

शरद पवार ने चेतावनी देते हुए कहा है कि महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को लेकर कर्नाटक में महाराष्ट्र के वाहनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है. अगर 24 घंटे में हमले नहीं रुके तो आगे जो

होगा उसकी जिम्मेदारी कर्नाटक सरकार की होगी, क्योंकि ये देश की एकता के लिए खतरा है. हम 24 घंटे देखेंगे कि कर्नाटक की भूमिका क्या है। परिस्थिति बिगड़ी तो जिमेदारी कर्नाटक सरकार की होगी. उन्होंने आगे कहा कि डर का माहौल पैदा करने की कोशिश की जा रही है. महाराष्ट्र ने संयम की भूमिका ली है पर अब मर्यादा खत्म हुई. वाहनों पर हमले खत्म नहीं हुए तो अलग परिणाम दिखेंगे, जिसके लिए जिम्मेदार कर्नाटक सरकार होगी. कर्नाटक सरकार की तरफ से चिढ़ाने वाले वक्तव्य किए जा रहे हैं. केंद्र सरकार सिर्फ देखने की भूमिका लेकर नहीं चल सकती है.एनसीपी प्रमुख पवार ने आगे कहा कि लोकसभा अधिवेशन बुधवार से शुरू हो रहा है. हम इस मुद्दे को रखेंगे. आदमी-आदमी, भाषा-भाषा के बीच कटुता लाना अच्छी बात नहीं है. मामले को अलग स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है. अगर हिंसा कम नहीं हुई तो हमें वहां जाना होगा. महाराष्ट्र के सांसदों को एकसाथ आकर इस मुद्दे पर बात करनी चाहिए. कर्नाटक चुनाव नजदीक आ रहे हैं, इसलिए ये मुद्दा गरमाता नजर आ रहा है.

महिला से हुई छेड़छाड़ पुलिस ने किया साधारण धाराओं मैं मामला दर्ज

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। ख़बर शिवपुरी के सिरसौद थाना अंतर्गत ग्राम लोहादेवी से हैं जहां एक विवाहित महिला के साथ गांव के ही एक युवक ने महिला पर गंदी नजर रखते हुए छेड़छाड़ और मारपीट की बारदात को अंजाम दे दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिरसौद थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम लोहा देवी मैं किराए के मकान में निवास करने वाली लता परिहार पति सोने राम परिहार ने बताया कि दिनांक 3 दिसंबर को दोपहर 2ः00 बजे के लगभग उसका पति गांव पर बाहर खेत पर था घर के अंदर वो अकेली थी तभी गांव का ही एक व्यक्ति कल्लू चिराङ उसके घर के आसपास बुरी नियत से घूम रहा था जब महिला ने उससे घर के बाहर घूमने का कारण पूछा तो वह महिला के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग कर करने लगा जब महिला ने उससे मना किया था वह घर के अंदर घुस गए और महिला के साथ छेड़खानी कर दी जब महिला ने इसका विरोध किया तो वह मारपीट करने लगा तब महिला अपनी सास को आवाज दी तो महिला की सास आई और वह अपनी बहू को बचाने की कोशिश की पर आरोपी ने महिला को थप्पड़ मार कर उसको दिवाल की तरफ दे मारा

और मौके से भाग गया तब महिला बेहोश हो गई महिला को जब होश आया तो महिला ने अपने पति को जानकारी दी जिस पर महिला के पति ने सूचना डायल हंड्रेड को बुलाकर अपनी आपबीती सुनाई तब डायल 100 बाले उनको अपने साथ थाने ले गए जब थाने पर मामले की शिकायत पीडिता ने सिरसौद थाना में की। जहां पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला साधारण मारपीट की धाराओं में दर्ज कर लिया और साथ ही पीड़िता के पति से मामला दर्ज करने के पैसे भी वसूले महिला का आरोप है की उसको जैसा पुलिस ने बोला उसने वैसे ही वीडियो पर बोला है। जब इस पूरे मामले पर सिरसौद थाने के प्रभारी से हमने बातचीत की तो प्रभारी विवेक यादव का कहना है कि जो महिला ने वीडियो में कहा है उसी हिसाब से रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। जब इस पूरे मामले की शिकायत महिला ने आज अपनी आपबीती एडिशनल एसपी प्रवीण भूरिया सो सुनाई तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल थाना प्रभारी को पता लगने के लिए फोन किया और साथ ही एसडीओपी पोहरी से इसकी तत्काल जांच करने के आदेश दिए।

कस्तूरबा कन्या विद्यालय पिछोर महिला हेल्पलाइन ग्रुप की अध्यक्ष आरती त्रिपाठी ने बच्चों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को सुना

महेंद्र रजक रिपोर्टर पिछोर

पिछोर। पिछोर कस्तूरबा विद्यालय में जाकर महिला हेल्पलाइन ग्रुप अध्यक्ष श्रीमती आरती त्रिपाठी ने आज विद्यालय जाकर बच्चों के साथ समय व्यतीत किया और उनकी समस्याओं को सुना विस्तार पूर्वक कस्तूरबा विद्यालय मैं तमाम चीजों का निरीक्षण किया कस्तूरबा विद्यालय में साफ-सफाई से लेकर बच्चों के खाने पीने की भी व्यवस्था देखी बेहतरीन एक विद्यालय कस्तूरबा जहां पर साफ-सफाई हो बच्चों को समय के अनुसार खाना मिलता है आरती त्रिपाठी द्वारा बच्चों को शिक्षा के विषय में जानकारी दी और कहा कि अगर कोई विद्यालय में समस्या आती है तो मुझे अवश्य बताएं इसलिए मैंने आप सभी को अपना संपर्क नंबर दे दिया है किसी प्रकार की मदद चाहिए तो मुझे तुरंत फोन करें ऐसा आरती त्रिपाठी ने बच्चों को बताया साथ में उपस्थित रहे कस्तूरबा विद्यालय में हिमांशी शर्मा मंत्री नूरा बेगम उपाध्यक्ष संगीता झा सचिव।

रास्ता ना होने से ग्रामीण लोग परेशान तो पैदल ही शिवराज सिंह चौहान तक जाने का लिया फैसला

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

खनियाधाना तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत अमरपुर देवरा मजरा कमलपुरा से है जहां पर लोगों का कहना है कि हमारे भारत देश को आजाद हुए 70 साल हो गए लेकिन हम अभी तक हम गुलामों की तरह अपने घरों में कैद रहने को मजबूर हैं क्योंकि ग्रामीण जनों का कहना है कि हमारे घर तक पहुंचने के लिए कोई भी रास्ता नहीं है और बरसात के समय में तो हम बिल्कुल भी घरों से बाहर नहीं निकल पाते और यहां तक की बरसात के समय में स्कूली बच्चों को भी अपने ही घरों में ही दिन बिताने पड़ते हैं और किसी की डिलीवरी या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना हो तो पैदल ही लेकर जाना पड़ता है और ग्रामीणों द्वारा पंचायत के सरपंच और सचिव पर भी आरोप लगाए हैं कि सरपंच सचिव को कई बार शिकायत

करने के बाद भी अभी तक हमारा रास्ता नहीं बनवाया गया और ग्रामीणों द्वारा बताया गया है कि हमने कई बार आला अधिकारियों को भी सूचना दी लेकिन अभी तक हमारे हालात जस के तस हैं अगर दिसंबर के महीने में रस्ते से निकलना इतना मुश्किल है तो बरसात के मौसम में ग्रामीण जनों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है वहीं ग्राम के दीपक लोधी द्वारा बताया गया कि हम ग्रामीण लोग पूरी तरह से परेशान हो चुके हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है अब उनके द्वारा कहा कहा गया है अब मैं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान तक पैदल जाऊंगा और जब तक मेरी सुनवाई नहीं होगी तब तक मैं वापस नहीं लौटूंगा।

इनका कहना है

ग्रामीण लोगों से बोला है कि कुछ समय बाद हम रास्ता सही करवा देंगे अभी अभी काम खुले हैं।
सरपंच राजकुमारी आदिवासी पति बालकिशन आदिवासी

वह तो पट्टे वाली जमीन है वहां पर हम लोग रास्ता कहां से बनवा दें किसी का का पट्टा है।
पंचायत सचिव प्रियंका गुप्ता

ग्रामवासी इनका कहना है

वहां से कुछ ही दूरी पर एक बस्ती है जहां पर करीबन डेढ़ सौ परिवार रहते हैं और उनको आने जाने में बड़ी ही मुसीबत का सामना करना पड़ता है वहां पर किसी का खाते वाली जमीन नहीं है क्योंकि रास्ता पहले से ही वहां पर है लेकिन पंचायत कर्मचारियों को अवगत कराया कराया है लेकिन वह रास्ता सही नहीं करवा रहे हैं

महेंद्र सिंह रजक बने शाखा शिवपुरी के प्रथम शतकवीर अभिकर्ता

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर। भारतीय जीबन बीमा निगम शाखा शिवपुरी के अभिकर्ता श्री महेंद्र सिंह रजक इस वित्तीय बर्ष 2022-23 में श्री रजक ने 100 पॉलिसी पूर्ण कर शिवपुरी एवं करैरा शाखा के प्रथम शतकवीर अभिकर्ता बने है इस उपलब्धि पर श्री रजक को उनके शाखा प्रवन्धक एवं प्रसासनिक अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया है साथ ही उनके बीमाधारकों एवं मित्रों ने श्री रजक को बधाईयां दी है।

भेंट मुलाकात में मुख्यमंत्री ने दिव्यांगों को प्रदाय किए बैटरी चलित ट्राइसिकल

छुरा-ग्राम पंचायत जरगांव के आश्रित ग्राम रवेली ग्राम पंचायत नवापारा के आश्रित ग्राम करनपारा दिव्यांग दव्वा यादव व प्रमोद नेताम दोनों दिव्यांगजन पैरों से 80 परसेंट दिव्यांगता होने के कारण कहीं आने जाने में दोनों को बहुत ही परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कुछ वर्ष पहले बैटरी ट्राईसाईकिल दोनों को मिले थे। लेकिन खराब हो जाने के कारण दोनों परेशान थे।

दिव्यांगों की परेशानियों की जानकारी गरियाबंद जिले के इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी संरक्षक सदस्य व समाजसेवी मनोज पटेल को जानकारी हुआ। समाजसेवी के द्वारा लगातार समाचार के माध्यम से दिव्यांगों की परेशानी शासन प्रशासन तक पहुंचाने में कार्य.किया जा रहा था।जिस पर शासन के समाज कल्याण विभाग ने सुध लिया फिर मुख्यमंत्री के हाथों दिव्यांगों को सम्मान के साथ ट्राईसाईकिल दिया गया। दिव्यांगों व समाजसेवी मनोज पटेल, रोशन देवांगन,पुनितराम ठाकुर, रेखराम ध्रुव ने मा.मुख्यमंत्री व मा.कलेक्टर महोदय जी का आभार जाताया।

शत प्रतिशत विशेष पिछड़ी जनजातियों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करें: कलेक्टर श्री सिंह

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अवधि के दौरान शिवपुरी जिले में निवासरत सहरिया जनजाति के नाम बढ़ाने के निर्देश दिए गए। गतदिवस गूगल मीट के माध्यम से जिले की विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, सभी जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों, महिला बाल विकास अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, बीआरसीसी, खाद्य विभाग के अधिकारियों, जिले की समस्त शासकीय अशासकीय कॉलेज एवं हायर सेकंडरी स्कूलों के प्राचार्य को निर्देशित किया कि वे आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित कर तथा शत प्रतिशत सहरिया मतदाताओ के नाम दर्ज करें। इस संबंध में बीएलओ के सहयोग हेतु आंगनवा?ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा कार्यकर्ता, पटवारी, सचिव, रो?गार सहायकों को भी सर्वे दल में शामिल करने के निर्देश दिए गए तथा कार्य पूर्णता का प्रमाणिकरण प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। शैक्षणिक संस्थानों के प्राचार्यो को कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि आयोग के नवीन निर्देश के अनुसार 1 अक्टूबर 2023 को 18 वर्ष आयु पूर्ण करने वाले छात्र छात्राओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करें। स्वीप सम्बंधी गतिविधियों को भी एवं विद्यालय स्तर और आयोजित किया जाये ताकि मतदाता जागरूकता अभियान को बढ़ावा मिल सके।

अभाविपा ने निकाली बाबा साहब की संदेश यात्रा

महेंद्र रजक रिपोर्टर पिछोर

पिछोर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई द्वारा पिछोर बाबा साहब अम्बेडकर के परिनिर्वाण सामाजिक समरसता दिवस के उपलक्ष में बाबा साहब संदेश यात्रा निकाली गई इस यात्रा का उद्देश्य समाज में समरसता का संदेश देना रहा सभी विद्यार्थियों ने नारे लगाते हुए समाज में समानता का संदेश दिया संदेश यात्रा का शुभारंभ शासकीय छत्रसाल सभागार से नगर के मुख्य मार्ग से गुजरती हुई बस स्टैंड डॉक्टर अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समापन किया गया रैली में नगर के लोगो ने पुष्प वर्षा करते हुए स्वागत किया प्रांत कार्यकारणी सदस्य दीपक पालवंशी ने बताया की 6 दिसम्बर 1956 में बाबा साहब ने जीवन की अंतिम सांस ली इतने कम समय मे उनके अथक योग्यदान भुलाया नही जा सकता भारत भूमि धन्य है जिसने ऐसे महापुरुष को जन्म दिया डॉ अम्बेडकर ने समाज मे छुआ छूत का अंत किया और समाज को नई दिशा देने का काम किया अभाविपा सदैव महापुरुषों के कदमो पर युवा पीड़ी को लाने कर प्रेरित करती है सामाजिक समरसता दिवस के उपस्थित में नगर अध्यक्ष दीपक राजपूत,नगर मंत्री श्यामसुंदर प्रजापति, रूपेश पटेल ,संजीव पाल, गौरव पटेरिया, ऋषि कोली, नमन मिश्रा देव कुशवाह,संजय पाल, राधिका भट्ट, बंदना केवट, दिव्या कुशवाह,रागनी कुशवाह, ईशा तिवारी, अजय कुशवाह, गीता कुशवाह, पूजा राजौरिया, समीक्षा लोधी आदि कार्यकर्ता समस्त छात्र शक्ति उपस्थित रहे।

दिव्यांगों की सुध लेने गांव-गांव पहुंच रहे हैं समाजसेवी मनोज

रसेला - ग्राम पंचायत रसेला में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम श्री रामचंद्र जी के छाया चित्र पर दीप प्रज्वलित पूजा अर्चना कर शुभारंभ किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिगेन्द्र ठाकुर सरपंच संघ के उपाध्यक्ष,परमेश्वर यादव उपसरपंच,डी आर यादव ग्राम प्रमुख,लोक राम यादव ग्राम पटेल,बशीर खान ग्राम प्रमुख परमेश्वर राजपूत, मनोज पटेल समाजसेवी, पुनितराम ठाकुर, मंचासीन थे। सभी अतिथि जनों का गुलाल लगाकर स्वागत सम्मान किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिगेन्द्र ठाकुर ने कहा कि दिव्यांग कोई प्रकार के होते हैं कोई आंख से कोई पैर से बोलने में और शासन की योजनाओं का लाभ लेना को कहा और सभी दिव्यांग जनों को दिव्यांग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दिया इस कड़ी में परमेश्वर यादव उपसरपंच ने दिव्यांग जनों को दिव्यांग दिवस की बधाई दी।और इसी प्रकार सभी अतिथि जनों के द्वारा दिव्यांग जनों को शाल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया जिसमें सुमित्र बाई,रोशन,जगत सतनामी,नीरज कुमार भूंजिया, हुमन, परमेश्वर, धनसिंह, भगवंतीन, मोहन समाजसेवी बीरबल सोनवानी, रेखराम ध्रुव उपस्थित थे।

कैलारस-अभाविप ने मनाया समरसता दिवस

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

आज कैलारस नगर इकाई ने सेकड़ो छात्र एवं छात्राओं के बीच बाबा साहेब अंबेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर नगर इकाई ने छात्रों के लिये एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर इकाई के नगरप्रमुख श्री जगराम धाकड़ जी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सर्वप्रथम अंबेडकर जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया गया। तथा इकाई के सभी पदाधिकारियों एवं छात्र कार्यकर्ताओं के द्वारा पुष्पार्पण किये गये। इस पावन अवसर मुख्य अतिथि के साथ साथ सभी नगर इकाई के पदाधिकारियों ने भी अपने अपने विचार रखे और बच्चों को मार्गदर्शित भी किया। इस अवसर पर छात्रनेता के तौर पर नगर इकाई के नगरमंत्री ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में आभार व्यक्त नगर अध्यक्ष अरुण शर्मा जी ने किया। इस अवसर पर नगर उपाध्यक्ष बाली सर, आशीष गर्ग सर, दुर्गेश सर, विक्रम सिकरवार सर, नगर मंत्री रक्षपाल त्यागी, सहमंत्री वेद शर्मा, योगेंद्र सिकरवार, विद्यालय प्रमुख अनिल शर्मा, छात्रावास प्रमुख राधिका शर्मा एवं दिशा शर्मा, हर्ष शिवहरे, कर्ण शर्मा, मनीष त्यागी, हेमराज गौड़, ब्रजमोहन शर्मा एवं सेकड़ो छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन खुशबू गर्ग ने किया।

दबोह नगर परिषद और पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। स्थानीय नगर परिषद और पुलिस प्रशासन ने मंगलवार को दबोह रोड के दोनो तरफ अस्थाई रूप से किये हुए अतिक्रमण को नगर परिषद ने हटाया।इस मौके पर दबोह पुलिस थाना प्रभारी संजीव तिबारी,तहसीलदार अमित दुबे अपने दल बल के साथ मौजूद रहे।बता दे कि सड़क के दोनों तरफ सब्जी विक्रेता,फल विक्रेता के साथ साथ बड़े व्यपारी रोड पर अस्थाई अतिक्रमण कर अपना सामान लगा लेते हैं।जिसके चलते राहगीरों का चलना मुश्किल हो जाता है साथ ही रोड पर आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती हैं।प्रशासन ने कई बार दुकानदारों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने के लिए बोला गया पर आज तक अतिक्रमण नही हटाया गया।जिसके फलस्वरूप प्रशासन ने मंगलवार की दोपहर यह कार्यबाही की।वहीं नगर परिषद ने पुलिस लाइन के बगल में हो रहे अतिक्रमण के साथ ही बार्ड न 11 में भी आम रास्ते पर हुए अतिक्रमण को भी जीवीसी मशीन से तुड़बा कर जमीन को मुक्त कराया।

बीते माह पहले भी चलाया गया था अस्थाई अतिक्रमण–यहां बता दें कि प्रशासन ने बीते माह पहले भी अतिक्रमण हटाया था।परन्तु कुछ समय बाद स्तिथि ज्यों की त्यों हो गई।वहीं सड़क पर अव्यवस्थाओ को सब्जी विक्रेताओं द्वारा न्यौता दिया जाता है।क्योंकि यह सब्जी व फल ठेले चालक अपनी निर्धारित मंडी से हटकर सड़क पर ठेले लगा लेते हैं वहीं शाम होते ही खराब सब्जियाँ मुख्य मार्ग पर ही फेंक देते हैं जिससे सड़क पर जानवरो का जमावड़ा हो जाता है और जाम की स्तिथि निर्मित होती है।अब देखना यह होगा की क्या अतिक्रमण हटाओ मुहिम सफल हो पाती है या पुनः लोगो के द्वारा अस्थाई अतिक्रमण किया जाएगा।

म.प्र. प्रांतीय महासचिव कांतिलाल गेहलोत ने श्री हरिदासजी स्मारक ट्रस्ट महेश्वर को एक लाख ग्यारह हजार एक सौ एक रू. नगद भेंट किए

पुष्पाजंली टुडे/ नारायणलाल सेंणचा

.मध्यप्रदेश–विगत कई माह पूर्व जब श्री हरिदास जी स्मारक महेश्वर ट्रस्ट की प्रथम बैठक का आयोजन हुआ था, जब उस बैठक में अखिल भारतीय सिर्वी महासभा म. प्र के प्रांतीय महासचिव कांतिलाल गेहलोत ने उस पवित्र व चमत्कारी पूज्यनीय स्थान के जीर्णोद्धार के लिए अपनी मुखाग्र वाणी से 1,11,111/-रु की दान राशि की घोषणा की थी, इस कड़ी में उन्होंने एक निवेदन किया था, ट्रस्ट के सभी सम्मानीय सदस्यों से की यदि आप सभी मेरे निवास स्थान पर आकर मुझे व मेरे परिवार को इस दान राशि के साथ अतिथि सत्कार का अवसर हमें प्राप्त करें,तो मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी, इसी कड़ी में कल ट्रस्ट के सभी सदस्यगणों का कांतिलाल गेहलोत के निज निवास पर अतिथि सत्कार के साथ उनके देवतुल्य पूज्यनीय पिताजी किशोर गेहलोत व माता लीला बाई गेहलोत,भाई केतुल गेहलोत, व भाई दिलीप गेहलोत के शुभ हाथों से वह राशि भेंट की गई । इस दौरान महेश्वर ट्रस्ट अध्यक्ष लक्ष्मणकाग, ट्रस्ट महासचिव दिलीप पटेल, ट्रस्ट कोषाध्यक्ष गोविंद कोटवाल,ट्रस्ट उपाध्यक्ष राजेश राठौर,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा जिला खरगोन के जिला अध्यक्ष हरिराम कोटवाल,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा जिला धार निमाड़ के जिला अध्यक्ष राधेश्याम मुड़ाती,अखिल भारतीय सिर्वी महासभा तहसील कुक्षी के तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र शिन्दे, ट्रस्ट सदस्य गण सह मीडिया सचिव जितेंद्र लछेटा, किशोर काग, लक्ष्मण जी परिहार,केंद्रीय समिति सदस्य कैलाश काग, प्रांतीय शिक्षा सचिव नरेन्द्र जी सिर्वी सर,कुक्षी सम्मानीय पंचगण गोमाजी सेप्टा, कैलाश कोटवाल,रमेश काग, बाबूलाल गेहलोत, दिलीप गेहलोत, बाबूलाल हम्मड़,मोतीलाल काग, बाबूलाल मुलेवा,मंगा बर्फा, सिर्वी अशोक राठौर मंडवाड़ा,हिरालाल देवड़ा शिवाय उपस्थित थे ।

भाजपा की सरकारों ने दी विकास की योजनाएं: राजौरिया

केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं को बूथ केंद्र पर पहुंचाएं किसान मोर्चा के कार्यकर्ता : देवेंद्र सिंह नरवरिया, जिला भाजपा किसान मोर्चा की जिलास्तरीय बैठक पीपरी में हुई

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड (अटेर)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की जिला स्तरीय बैठक अटेर विधानसभा क्षेत्र के पीपरी मंडल के ग्राम पंचायत पीपरी में संपन्न हुई । बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र दीपक एवं माल्यार्पण कर जिला संगठन प्रभारी प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य जयप्रकाश राजौरिया पार्टी के मंचासीन अतिथियों ने किया। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य जिला संगठन के प्रभारी जयप्रकाश राजौरिया ने किसान मोर्चा की बैठक में अपने उद्बोधन मे कहा की आज आपके यहाँ से 2018 के विधानसभा चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस सरकार कमलनाथ के नेतृत्व में उनकी सरकार भी सत्ता में रही है, गरीबों-किसानों के लिए उन्होंने कोई काम नहीं किया। उसके बाद मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी जिन्होंने किसानों के विकास के लिए अनेकों योजनाएं चलाकर उन्हें आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया और केंद्र और राज्य सरकारों ने उनके लिए आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, हर घर शौचालय, उज्जवला योजना, किसान सम्मान निधि जैसी अनेक योजनाएं बनाई और लागू की। किसान मोर्चा संगठन को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करेगा। गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की किसान कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाने को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र के साथ-साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के किसानों के लिए 4000 किसान सम्मान निधि के माध्यम से किसानों के खातों में ड़10000 सीधे पहुंचाने का कार्य किया है हमारी सरकार किसान हितैषी सरकार है। संगठन प्रभारी राजौरिया ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद और अंत्योदय की विचारधारा के साथ किसानों को विकास की योजना पहुंचाना ही भाजपा का लक्ष्य है। भाजपा वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक मुन्ना सिंह भदौरिया ने कहा कि केंद्र और राज्य कि भाजपा सरकारों ने किसानों के लिए अनेकों योजनाएं संचालित की हैं जिन्हें हम अंतिम छोर तक पहुंचा कर किसानों को आत्मनिर्भर विकास की गति से जोड़ने का काम किसान मोर्चा के कार्यकर्ता करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी किसानों का महत्वपूर्ण संगठन है मिशन 2023 विधानसभा एवं 24 के लोकसभा चुनाव के लिए अपने अपने बूथ पर किसान मोर्चा की संगठनात्मक ताकत को मजबूत करने के लिए योजनाओं से जुड़कर केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को पहुंचाने का काम करें। भाजपा किसान मोर्चा की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि किसान मोर्चा के कार्यकर्ता गांव गांव की चौपालों में जाकर किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के लिए जागरूक करें । उन्होंने कहा कि मोर्चा के कार्यकर्ता संगठनात्मक कार्यक्रम, विचार रीति नीति को निचले स्तर तक पहुंचाना ही मोर्चा के कार्यकर्ताओं का लक्ष्य है इसके लिए हम अपनी अहम जिम्मेदारी निभाएं उन्होंने कहा कि किसान गौरव रथयात्रा आयोजित की जा रही है जिसमें प्रत्येक विधानसभाओं में इस अभियान को गति प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को प्रत्येक किसानों के घर तक पहुंचाना ही अपनी जिम्मेदारी के साथ कार्य करना है। भाजपा किसान मोर्चा मीडिया प्रभारी अजय शर्मा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया। भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं मोर्चा के जिला संगठन प्रभारी सतेंद्र सिंह भदौरिया ने कहा कि किसान मोर्चा भाजपा की रीड की हड्डी के समान है यह देश कृषि आधारित है किसानों की योजनाओं को हम गांव गांव पर ले जाकर उनका प्रचार प्रसार करें। किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने संचालन एवं आभार व्यक्त जिला महामंत्री अशोक सिंह बघेल ने किया। मोर्चा के पीपरी मंडल के अध्यक्ष अवनीश कुमार त्रिपाठी ने मंचासीन अतिथियों को माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र उड़ाकर उनका सम्मान किया। बैठक में मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रक्षपाल सिंह राजावत ,रज्जन सिंह भदौरिया संतोष सिंह मसूरी जिला महामंत्री धर्मेंद्र सिंह राजावत जिला उपाध्यक्ष उपेंद्र शर्मा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष सुशील वर्मा, व्यापारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुरेश छारी एवं जिले के पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष महामंत्री प्रमुख रूप से शामिल थे।

कैलारस-रामकथा में अंतराम बाबा पर हुआ विशाल भंडारा

हजारों लोगों ने पाई प्रसादी

गौरव शर्मा पुष्पांजलि

कैलारस– कैलारस से 15 से 20 किलोमीटर दूर जखोदा गांव में सिद्ध स्थल अंतराम बाबा मंदिर पर रामकथा में हजरों लोगो ने पाई प्रसादी सुबह से देर रात तक चला भंडारा अंतराम बाबा मंदिर के महंत श्री नरसिंह दास जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रमीणों एव अंतराम बाबा सिद्ध स्थल पीठ के जन सहयोग रामकथा का आयोजन 28 नवंबर से 5 दिसंबर तक किया गया जिसमें अंतराम बाबा सिद्ध पीठ पर आज विशाल भंडारे का आयोजन किया गया सभी ग्राम और आसपास के क्षेत्र का बहुत ही भंडारे में सहयोग रहा हर एक गांव ने अपनी अपनी व्यवस्था संभाली और सुबह से लेकर शाम तक सभी लोग भंडारे में सहयोग करते रहे हैं वही महाराज जी ने बताया कि यह सिद्ध पीठ है यहां पर लोगों की मनोकामना पूर्ण होती है कई लोग मन में विचार लेकर आते हैं और उनके बिगड़े हुए काम बन जाते हैं हमने यहां पर कई लोगों को मृत अवस्था में आकर जीवित होते हुए देखा है यह एक सिद्ध स्थल पीठ है यहां पर कई वर्षों से भागवत एव रामकथा चल रही है जिनकी गनती नही की जा सकती उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर आए दिन धार्मिक कार्य होते रहते हैं एवं हमें

याद भी नहीं है कितनी भागवत एव रामकथा हो चुकी होगी आये दिन धार्मिक कार्य होते रहते हैं धार्मिक कार्यों में आसपास के सभी ग्रामीणों का बहुत सहयोग रहता है एवं सिद्ध स्थल के कई प्रमाण हम ग्रामीण लोगों ने देखे हैं लेकिन सिद्ध पीठ का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाता वह तो व्यक्तियों के अंदर अपने आप भाव जग जाता है आज के भंडारे में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से गांव के निवाशी एव राजनीतिक प्रशासनिक लोग भंडारे में प्रसादी ग्रहण करने आए एवं दूर दूर से आए साधु-संतों का सिद्ध पीठ पर ग्रामीणों का आशीर्वाद मिला।

कांग्रेस ने डॉ भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । संविधान के रचयिता भारत रतन डॉ भीमराव अंबेडकर के 67वें परिनिर्वाण दिवस पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मान सिंह कुशवाहा ,मेहगांव विधानसभा के खेरिया तौर ग्राम में परिनिर्माण दिवस पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा एव विचार संगोष्ठी सम्मलित हुए तथा डॉ भीमराव अंबेडकरजी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की । श्री कुशवाहा के साथ कार्यक्रम में रणजीत सिंह गुर्जर,अमित दातरे,संदीप मिश्रा,जितेंद्र सिंह नरवरिया उर्फ गुड्डू,अन्य कांग्रेस पदाधिकारी भी मौजूद रहे । कार्यक्रम में सैकडो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।श्री कुशवाहा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा हर मामले में बाबा साहब ने बेहतरीन संविधान देकर भारत का नाम विश्व में रोशन किया है। वह अनमोल है। देश उनका सदा आभारी रहेगा। बाबा साहब ने सभी धर्म,वर्ग लोगो के लिए समानता से कार्य किया।सविधान में सभी लोगो के लिए न्याय व्यवस्था है, हर साल 6 दिसंबर को डॉ बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि और सम्मान देने के लिए उनकी पुण्यतिथि पर महापरिनिर्वाण दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर भीमराव रामजी अम्बेडकर, जिन्हें हम सब डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर के नाम से भी जानते हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर को संविधान का जनक कहा जाता है इसीक्रम में सभी अथितियो ने कार्यक्रम अपने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में आभार व्यक्त शुभम आजाद ने किया।

अच्छे संस्कार जीवन में सफलता दिलाते हे विधायक सूबेदार सिंह रजोधा

गौरव शर्मा पुष्पांजलि टुडे

कैलारस। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैलारस में पदस्थ होकर अपनी सेवाए देने वाले डॉ ध्रुव अग्रवाल का चयन एम एस आर्थोपेडिक्स में होने पर आज कैलारस हिमांशु पेलेस में विदाई और

कैलारस डॉ. ध्रुव अग्रवाल के एम एस में चयन होने पर विदाई समारोह संपन्न

सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जोरा विधायक सूबेदार सिंह , जिला पंचायत उपाध्यक्ष बनवारी लाल धाकड़ शांतिलाल अग्रवाल एडवोकेट डॉ ए के गुप्ता ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ एस आर मिश्रा अग्रवाल महासभा कैलारस के अध्यक्ष शंकरलाल सिंघल कैलारस नगर परिषद अध्यक्ष अंजना बृजेश बंसल , जोरा नगर परिषद अध्यक्ष राजू माहेश्वरी ,एडवोकेट अनिल अग्रवाल जी के साथ शहर के और भी सभी गणमान्य नागरिकों ने डा ध्रुव अग्रवाल के सम्मान समारोह में शामिल होकर डॉ ध्रुव अग्रवाल जी के उज्जवल भविष्य की कामना की कार्यक्रम आयोजक संजीव गुप्ता ड़ड़(बंटी) पंसारी नीरज गर्ग मामचोन ने सभी मंचासीन अतिथियों का शाल श्री फल से स्वागत किया एवम डा ध्रुव अग्रवाल को स्मृति चिन्ह प्रदान कर शुभकामनाए दी कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा के साथ हुआ कार्यक्रम का सफल संचालन भाजपा नेता ब्रजेश बंसल ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए विधायक सूबेदार सिंह रजोधा ने कहा कि डा ध्रुव अग्रवाल होनहार हे उनकी कार्यशैली और उनका व्यक्तित्व, जीवन में नित नई सफलता दिलाएगा उनके पूरे परिवार के संस्कार ऐसे हे कि वह जीवन में इसी प्रकार सफल होते रहेंगे मेरी सदेव शुभकामनाए उनके साथ थी और रहेगी इस अवसर पर डा एस आर मिश्रा , डा ए के गुप्ता, शांतिलाल अग्रवाल , वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश मित्तल जौरा, नगर परिषद अध्यक्ष अंजना ब्रजेश बंसल , जोरा

अध्यक्ष राजू महेश्वरी , जिला पंचायत अध्यक्ष बनबारी लाल धाकड़ कैलाश मित्तल ने भी अपना संबोधन देते हुए डा ध्रुव अग्रवाल को शुभकामनाएं दी। डा ध्रुव अग्रवाल ने अपने इस विदाई समारोह में बोलते हुए कहा कि कैलारस और कैलारस के लोगो को में कभी नहीं भुला सकता हु उन्होंने मुझे जो सहयोग लाड प्यार दिया इसके लिए में सदेव उनका ऋणी रहूंगा। इस अवसर परअग्रवाल महासभा के महामंत्री राधेश्याम बंसल कोषाध्यक्ष अनिल गोयनर, भाजपा जिला मंत्री राजेंद्र शुक्ला भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अशोक राणाबत वैश्य महासभा के अध्यक्ष अरुण सिंघल,भाजपा मंडल महामंत्री महेश श्रीवास्तव महेंद्र गुप्ता, करनी सेना से जिलाध्यक्ष सौरभ सिकरवार पत्रकार राधाकृष्ण सिंघल, ऋषि उपाध्याय अखलेश पाराशर सोनू, गौरव शर्मा, राजेंद्र गोड, डा मनीष शर्मा, डा कल्पना शर्मा सेवाराम गुप्ता, सुरेश दीवान, पवन गोयल, अतुल सिंघल, भागीरथ गर्ग, अग्रवाल महिला मंडल कैलारस की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा सिंघल, श्रीमती मेघा गोयनर, श्रीमती पूनम गर्ग , सहित सेकडो गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सच दिखाने का हक

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हर पत्रकार राजद्रोह के कानून के तहत सुरक्षा का हकदार है। सुप्रीम कोर्ट की एक पीठ ने पत्रकार विनोद दुआ के खिलाफ पिछले साल शिमला में दर्ज राजद्रोह का मामला खारिज करते हुए यह बात कही। विनोद दुआ के खिलाफ यह मामला हिमाचल प्रदेश में एक भाजपा नेता की शिकायत पर दर्ज हुआ था। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में पहले ही उनकी गिरफ्तारी पर रोक लगा रखी थी और पिछले अक्तूबर में सुनवाई पूरी करके फैसला सुरक्षित रख लिया था। सन 1962 का केदारनाथ सिंह केस इस तरह के मामलों में नजीर माना जाता है और सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले में भी इसी को आधार बनाया है। केदारनाथ सिंह केस में सुप्रीम कोर्ट ने राजद्रोह कानून को वैध ठहराया था, लेकिन यह कहा था कि अगर कोई पत्रकार सिर्फ सरकार की आलोचना करे, तो इस आधार पर उसके ऊपर राजद्रोह नहीं कायम किया जा सकता। अगर वह हिंसा के लिए उकसाता है, तभी राजद्रोह का मामला बन सकता है। ऐसे स्पष्ट दिशा-निर्देशों के होते हुए भी पत्रकारों के खिलाफ राजद्रोह के मामले दर्ज होते रहते हैं। राज्य सरकारों की ओर से या उनके प्रोत्साहन से ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे ज्यादातर मामले अदालत में टिक नहीं पाते, लेकिन इनका उद्देश्य, जो कि पत्रकारों को डराना या प्रताड़ित करना है, पूरा हो जाता है। इस फैसले केदो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट की एक और पीठ ने एक अन्य मामले में राजद्रोह कानून के दुरुपयोग पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इस कानून के दायरे पर फिर से सोचे जाने की जरूरत है। वह मामला आंध्र प्रदेश का था, जहां एक राजनेता और एक चैनल के दो पत्रकारों पर राजनेता का भाषण दिखाने के लिए राजद्रोह का केस दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने फिलहाल एफआईआर पर कार्रवाई रोकते हुए काफी तल्ख टिप्पणियां की हैं। सुप्रीम कोर्ट केन्यायाधीश ने व्यंग्य में पूछा कि क्या गंगा नदी में उतराती लाशों की खबर करने वाले चैनलों पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है? जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश शायद इस बात से वाकिफ हैं कि राजद्रोह के कानून का दुरुपयोग पत्रकारों को अपना नियमित काम करने से रोकने और प्रताड़ित करने के लिए किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के सामने दो पत्रकारों किशोरचंद्र वांगखेम और कन्हैयालाल शुक्ल की याचिका मौजूद है, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश राज के दौर के इस कानून को चुनौती दी है। अगर किसी को किसी पत्रकार से या किसी खबर से कोई शिकायत है, तो लोकतंत्र की परंपराओं केमुताबिक उस स्थिति में कार्रवाई करने के तरीके हैं, लेकिन इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बन गया है कि सरकारें या सत्ताधारी पार्टी के लोग सीधे राजद्रोह का मामला कायम कर देते हैं। इस कानून का इतिहास यही बताता है कि इसका दुरुपयोग ही ज्यादा होता आया है। अक्सर पत्रकारों या सामाजिक कार्यकर्ताओं या फिर शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करके उन्हें परेशान किया जाता है। ताजा मामले यह बता रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस मसले की गंभीरता को समझ रहा है। अगर आला अदालत इस कानून की समीक्षा करकेइसके दुरुपयोग को रोकने की पहल करती है, तो यह हमारे लोकतंत्र केलिए बहुत बेहतर होगा।

जूनियर भगवान हड़ताल पर:राकेश अचल

डाक्टर जूनियर हो या सीनियर दुनिया में भगवान का दूसरा रूप माना जाता है ,लेकि सोचिये क्या भगवान भी कभी हड़ताल पर जा सकता है ,या इस्तीफा दे सकता है ?तो जबाब है हाँ कम से कम भारत में तो भगवान का दूसरा रूप मने जाने वाले डाक्टर हड़ताल कर सकते हैं.मध्यप्रदेश में जूनियर भगवान यानि जूनियर डाक्टर हड़ताल पर हैं ,वे हाईकोर्ट के निर्देश को भी मानने के लिए तैयार नहीं पूरे भारत की तरह मध्यप्रदेश भी कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में हैं. आधिकारिक रूप से मध्यप्रदेश में कोरोना से 8207 लोग मारे जा चुके हैं,14186 सक्रिय मरीज हैं और अब तक 782945 लोग संक्रमण के शिकार हो चुके हैं लेकिन भगवान बने डाक्टरों ने तमाम आरोपों,प्रत्यारोपों के बीच 760 552 लोगों को कोरोना के चंगुल से बाहर निकालने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है .वरिष्ठ चिकित्स्कों के अलावा इस संक्रमणकाल में प्राणरक्षा के इस अभियान में शामिल प्रदेश के तीन हजार जूनियर डाक्टरों ने भी आपदा को अवसर मानकर हड़ताल शुरू कर दी है .

कोरोना और ब्लैक फंगस के कहर के बीच एमपी में जूनियर डॉक्टर तीन दिन से हड़ताल पर थे। करीब तीन हजार डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर काम से किनारा कर लिया था। जूनियर डॉक्टर सरकार से मुख्य तौर पर मानदेय बढ़ाने और कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर उन्हें और उनके परिवार के लिए मुफ्त इलाज की मांग कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने जूनियर डॉक्टरों को हड़ताल जारी रखने पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी।मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल को अवैधानिक करार दिया था। हाईकोर्ट ने जुड़ा को निर्देश दिया था कि वो 24 घंटे के भीतर काम पर शीघ्र लौटे। 24 घंटे के भीतर अगर वो काम पर नहीं लौटे है तो सरकार को जूडा पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे । काबिलेगौर ये है कि प्रदेश सरकार जूडा की अधिकांश मांगों को मान चुकी है। जूडा की मांग थी कि जूनियर डॉक्टर्स और उनके परिवार के सदस्य अगर कोरोना पीड़ित होते हैं तो उन्हें निशुल्क इलाज की सुविधा प्रदान की जाए जिसे सरकार ने मान लिया था। सरकार की ओर से महाधिवक्ता ने हाई कोर्ट में बताया कि जूडा की अधिकांश मांगें मान ली गई हैं लेकिन जूनियर डाक्टरों ने हाईकोर्ट की सुनी और सरकार की,अब सरकार के सामने दुविधा है कि वो क्या करे सरकार हड़ताली डाक्टरों को बर्खास्त कर सकती है लेकिन सवाल ये है कि फिर नए डाकटर कहाँ से आएंगे रातों-रात तो डाक्टरों की भर्ती हो नहीं सकती,फिर डाक्टर हैं ही कहाँ पहले से प्रदेश और देश में डाक्टरों की भारी कमी है . जूनियर भगवानों की मांगों से हमारा कोई विरोध नहीं है.हमारा विरोध हड़ताल से भी नहीं है ,हमें यानि आम जनता को तकलीफ इस बात की है कि जूनियर भगवानों ने अपनी मांगें मनवाने के लिए जो समय चुना है वो गलत है. लगता है कि जूनियर डाकटर हड़ताल नहीं बल्कि सरकार को ब्लेकमेल कर रहे हैं .कायदे से डाक्टरी का पेशा ऐसा है जिसमें हड़ताल की कोई सुविधा होना ही नहीं चाहिए.हड़ताल एक मौलिक अधिकार है ,संवैधानिक अधिकार नहीं .कुछ सेवाएं ऐसी हैं जिनमें हड़ताल कर दी जाये तो मनुष्यता खतरे में पड़ सकती है . आपको याद होगा कि हमारे सरकारी अस्पतालों में पहले से कामबाढ़ है,कोरोना और ब्लैक फंगस जैसे असाध्य रोगों ने सरकारी अस्पतालों की कमर तोड़ रखी है .ऊपर से जूनियर डाक्टर हड़ताल पर हैं. इस आपात स्थिति में वरिष्ठ डाक्टर कितने दिन स्थिति को सम्हाल सकते हैं ?मध्यप्रदेश सरकार ने पिछले दिनों ही प्रदेश में किल कोरोना नाम का अभियान चलाय था,इस अभियान की रीढ़ में ये भगवान ही हैं लेकिन ये तो हड़ताल पर चले गए.अब अभियान का दम तोड़ना तय है .विषम परिस्थिति में सब जानते हैं कि सरकार ही झकेगी ,भगवान नहीं. वे तो जहां चाहेंगे वहां जाकर पनि रोजी कमा लेंगे लेकिन सरकार उनका विकल्प रातों-रात खड़ा नहीं कर सकती। मानवता का तकाजा है कि जूनियर भगवान तत्काल अपने काम पर लौटें और सरकार पर दबाव बनाने के लिए जापानी तरिके इस्तेमाल करें ताकि न तो मनुष्यता का नुक्सान हो और न उनके गौरवशाली पेशे पर आंच आये .कोई माने या न माने आज भी देश-दुनिया में डाक्टरों के साथ अभद्रता और मारपीट की कुछ घटनाओं को छोड़कर डाक्टरों को भगवान का दूसरा रूप ही माना जाता है लेकिन भगवान अपने इस रूप-स्वरूप का बेजा फायदा उठाने लगे हैं. निजी क्षेत्र में तो उन्होंने लूट मचा रखी है ,सरकारी क्षेत्र में भी उन्हीं की दादागीरी चलती है. फिर भी वे हड़ताल का अमोघ अस्त्र चलाने से बाज नहीं आते. मध्य्प्रदेश सरकार जैसे भी हो इन जूनियर भगवानों को मनाये अन्यथा ये आग प्रदेश से बाहर भी फ़ैल सकती है. क्योंकि आपदा में अवसर सभी को नजर आ रहा है. मेरा सुझाव है कि हालात मामूल होने के बाद ऐसी कोई व्यवस्था अवश्य की जाये जहाँ पहले तो डाक्टरों को हड़ताल की सुविधा ही न दी जाये और अगर ऐसी कोई सूरत बने तो निजी क्षेत्र में काम करने वाले तमाम डाक्टरों को क़ानून के जरिये सरकारी अस्पतालों में काम करने के लिए बाध्य किया जाये .हालाँकि ऐसा कर पाना कठिन है लेकिन कोशिश करने में क्या जाता है ?

-राकेश अचल

कोरोना और ब्लैक फंगस के कहर के बीच एमपी में जूनियर डॉक्टर तीन दिन से हड़ताल पर थे। करीब तीन हजार डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर काम से किनारा कर लिया था। जूनियर डॉक्टर सरकार से मुख्य तौर पर मानदेय बढ़ाने और कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर उन्हें और उनके परिवार के लिए मुफ्त इलाज की मांग कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने जूनियर डॉक्टरों को हड़ताल जारी रखने पर सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी।मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल को अवैधानिक करार दिया था।

बढ़ते भाव और भोजन से नदारद होती दाल: राकेश दुबे

कोरोना दुष्काल और सरसो के तेल की बढ़ी कीमतों की मार झेल रहे आम आदमी को राहत मिलने की उम्मीद नहीं दिखाई दे रही है। देश में दलहन का उत्पादन घटने से दाल की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका है। भारतीय दलहन एवं अनाज संघ (आई पी जी ए) के अनुसार, इस वर्ष दाल का उत्पादन घट सकता है। कोरोना के कारण इस फसल वर्ष में दलहन फसलों की बुआई पर किसानों का जोर कम रहा है। इसके चलते देश में इस साल मसूर, चना और अन्य दालों सहित, दालों की कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस साल अरहर के उत्पादन में करीब 10 लाख टन की कमी हो सकती है। कृषि मंत्रालय की वेबसाइट तीसरे अग्रिम अनुमान के जो आंकड़े दिखा रही ई उसके अनुसार, फसल वर्ष 2020-21 के लिए अरहर का उत्पादन लगभग7 लाख टन और उड़द के 5.20 लाख टन कम होने की उम्मीद है। इसके साथ ही खरीफ का कुल उत्पादन 2.12 मिलियन टन कम रहने की उम्मीद है। यानी देश में दाल का उत्पादन घटने वाला है। कमोडिटी विशेषज्ञों का कहना है कि यह दाल की महंगाई को और बढ़ाने का काम करेगा। आने वाले महीनों में दाल की कीमतों में बड़ा उछाल आ सकता है अगर समय रहते कदम नहीं उठाया गया। आई पी जी ए के उपाध्यक्ष बिमल कोठारी ने कहा कि हमने सरकार को आपूर्ति बढ़ाने का सुझाव दे दिया है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल से दाल को लेकर लंबी अवधि को ध्यान में रखकर कोई पॉलिसी नहीं है। उन्होंने कहा कि एसोसीएशन ने सरकार से दलहन का आयात का फ्री करने का आग्रह किया है लेकिन इस शर्त पर की आयातित दाल की न्यनूतम लैंडिंग कीमत न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक हो। आई पी जीए के अनुसार, वित्त वर्ष 2015-16 के मध्य से देश में दलहन का उत्पादन बढ़कर 23 मिलियन टन हो गया है। हालांकि, मांग 25-26 मिलियन टन है। इस कमी को पूरा करने के लिए लगभग 2.5 मिलियन टन दलहन का आयात हर साल किया जाता है। साथ ही हमारी मांग हर साल 10 लाख टन बढ़ रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए सिर्फ आयात पर निर्भरता करना ठीक नहीं है। देश में दलहन का उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। आई पी जीए के अनुसार, दाल के खुदरा कीमत और थोक और पूर्व-मिल दरों से औसतन 50 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक का अंतर है। वर्तमान समय में जब अरहर दाल का औसत थोक मूल्य लगभग 95 रुपये प्रति किलो, उड़द दाल का 110 रुपये प्रति किलो और मूंग दाल का 92 रुपये प्रति किलो है। वहीं, खुदरा मूल्य की बात करें तो अरहर की दाल के लिए 130 रुपये प्रति किलो, उड़द की दाल के लिए 160 रुपये प्रति किलो और मूंग की दाल के लिए 115 रुपये प्रति किलो उपभोक्ता को चुकाने पड़ रहे हैं।कम उत्पादन का अनुमान और वास्तविकता में बढ़ रही मांग के कारण देश में नये संकट आते दिख रहे हैं। सरकार को फौरन कुछ करना चाहिए।

हमें जनगणना की जरूरत क्यों है

प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) घटकर 'एक्स' फीसदी हो गया है; 18 से 44 आयु-वर्ग में जोखिम का खतरा 'वाई' फीसदी रहता है; उत्तर प्रदेश में 'जेड' लाख ग्रामीणों को अब तक बिजली की सुविधा नहीं मिल सकी है- इस तरह की सुर्खियां आप रोजाना अखबारों में पढ़ते हैं। मगर क्या कभी आपने यह सोचा है कि भला कैसे कोई लेखक 'एक्स', 'वाई' या 'जेड' जैसे सटीक आंकड़े जान लेता है, जबकि इसके लिए संबंधित इलाके के हर व्यक्ति की गिनती भी नहीं की जाती? दरअसल, संबंधित इलाके, राज्य अथवा देश के कुछ लोगों से जानकारियां इकट्ठा करके यह आकलन किया जाता है, और आबादी के इस छोटे या सैंपल डाटा को दिखाने के लिए जिस बड़े आंकड़े को आधार बनाया जाता है, वह है देश की दशकीय जनगणना। 19वीं सदी के मध्य तक ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत पर करीब-करीब पूरा कब्जा कर लिया था। 1858 में, ब्रिटिश संसद में भारत सरकार अधिनियम, 1858 पारित किया गया, जिसके तहत भारतीय उपनिवेश का नियंत्रण कंपनी से लेकर ब्रिटिश राजशाही को सौंप दिया गया। मगर शासन स्थापित करने के लिए ब्रिटिश सरकार को लोगों और उनकी रिहाइश को लेकर विस्तृत और विश्वसनीय डाटा की जरूरत थी। आखिरकार, वह कैसे तय कर सकती थी कि उनकी महारानी ने भारत पर अपना प्रभुत्व कायम रखने के लिए जो अमानवीय टैक्स लगाया है, वह देश के हर निवासी से वसूला जाए?

औपनिवेशिक सत्ता को पता था कि क्या करना है। वह 1801 से ही इसे अपने यहां कर रही थी। इस कवायद को 'सेन्सस', यानी जनगणना कहा गया, जो लैटिन शब्द 'सेंसेर' से निकला है। रजिस्ट्रार जनरल ऐंड सेन्सस कमिश्नर के कार्यालय बनाए गए और 1881 में भारत में पहली बार जनगणना हुई। बेशक जनगणना का मूल उद्देश्य जबरन वसूली की मंशा को पूरा करना था, लेकिन इसका लाभ कई विभागों को मिला। शिक्षा विभाग ने प्राथमिक शिक्षा की अपनी योजना बनाने में इसका इस्तेमाल किया। लोक-निर्माण विभाग ने इसका उपयोग सड़क नेटवर्क की योजना बनाने में किया। बिजली संयंत्र स्थापित करने और ग्रिड तक ट्रंक लाइन लगाने के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। और, रेलवे ने पटरियां बिछाने की योजना बनाने में इसका उपयोग किया। जनगणना के आंकड़ों ने जैसे ही बुनियादी ढांचे को प्रभावित किया, लोगों की बड़े पैमाने पर आवाजाही बढ़ गई। बंबई, कलकत्ता और मद्रास जैसे बंदरगाह वाले शहरों का तेज विकास हुआ, क्योंकि रेल नेटवर्क से उन्हें निकट और सुदूर इलाकों से जोड़ा गया। औपनिवेशिक राज की कई परंपराएं 1947 के बाद भी कायम रहीं। सौभाग्य से जनगणना भी उनमें से एक है। अमूमन पांच या दस साल पर होने वाली जनगणना को राष्ट्रीय संसाधनों के इस्तेमाल के लिए अनिवार्य माना जाता है। अमेरिका दशक के अंत में जनगणना करता है, जो 2020 में कोविड-19 के बावजूद पूरा किया गया, तो चीन ने भी पिछले साल अपनी दशकीय जनगणना पूरी की है। भारत में पिछली बार 2010 में गिनती शुरू हुई थी, जो 2011 में पूरी हुई। अपने यहां इसका बुनियाद परिवार सर्वे है। मगर यह सर्वे पिछले साल जैसे मृतप्राय- रहा। अब तो हम 2021 के मध्य में आ चुके हैं, लेकिन जनगणना का अब तक कोई संकेत नहीं मिल रहा है। सवाल है, 2021 की जनगणना की परवाह आखिर हमें क्यों नहीं करनी चाहिए? पहली वजह, अब हम यह जानते हैं कि सरकार ने कोविड-19 वैक्सीन का जितना ऑर्डर दिया, वह आबादी के घनत्व को ध्यान में रखकर नहीं दिया जा सका था। जनगणना से न सिर्फ हमें यह पता होता है कि देश में कितने लोग रहते हैं, बल्कि उनकी उम्र, लिंग, मूल निवास, परिवार और शिक्षा का स्तर भी हम जान लेते हैं। वर्ष 2011 की जनगणना में ऐसे सभी विवरण मौजूद हैं, जनगणना होने पर 2021 में भी ये हमारे पास होते।

दूसरा कारण, 2026 में अगली परिसीमन प्रक्रिया के खत्म होने पर लोकसभा में राजनीतिक संतुलन बदल जाएगा। यदि प्रतिनिधित्व का आधार जनसंख्या है, तो जिन राज्यों में जनसंख्या प्रबंधन की हालत खस्ता है (विशेष रूप से हिंदी पट्टी में), संसद में उनकी नुमाइंदगी काफी बढ़ जाएगी। दक्षिण व पश्चिम भारत को नुकसान होगा। जाहिर है, परिसीमन के लिए भी हमें जनगणना के तमाम पहलुओं पर गौर करना होगा। तीसरा, संघ और राज्यों के बीच कर राजस्व के बंटवारे की वित्त आयोग निगरानी करता है। वस्तु एवं सेवा कर, यानी जीएसटी इस वितरण को और विवादास्पद बना देता है। राजस्व के निर्धारण में भी जनसंख्या अहम भूमिका निभाती है। चौथा, देश में सांप्रदायिक राजनीति जारी है। कई नेता यह आरोप लगाते हैं कि बहुसंख्यक आबादी घट रही है और अल्पसंख्यकों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। जमीनी हकीकत जानने के लिए जनगणना एक अखिल भारतीय प्रक्रिया है। यह न सिर्फ हमें आबादी की संख्या बताती है, बल्कि जन्म व मृत्यु दर, प्रजनन दर, सकल और शुद्ध जन्म दर, नवजात मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर जैसे आंकड़े भी हमारे सामने रखती है। ध्रुवीकरण की राजनीति को जनगणना बेपरदा कर सकती है। पांच, आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के लिए बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश की बात चल रही है। आखिर उन निवेशों का आधार क्या होगा? इससे जुड़े कई सवाल हैं, जैसे- अहमदाबाद से मुंबई के लिए बुलेट ट्रेन क्या एक अच्छी योजना है? किन रेल मार्गों को और मजबूत करने की दरकार है? सड़क, नदी, समुद्री और हवाई परिवहन के बुनियादी ढांचे को किस तरह से सुधारा जाना चाहिए? किसानों को अपनी उपज पर पर्याप्त फायदा कैसे मिलेगा? सबसे अच्छा मॉडल क्या है? जनगणना इन तमाम सवालों का उचित जवाब दे सकती है, जिससे योजनाकारों को यह पता चलेगा कि इन सबसे कौन लाभान्वित होगा, कितना होगा और किस कीमत पर होगा? और आखिरी कारण, सामाजिक जीवन में टीवी जिस तरह से शामिल है, उसे देखते हुए क्या हम यह कह सकते हैं कि बार्क रेटिंग चैनलों या टेलीविजन शो के देखने का असल पैटर्न बताती है? क्या 2021 में ग्रामीण दर्शक वाकई शहरी दर्शकों से ज्यादा हो जाएंगे? व्यूइंग पैनल द्वारा बार्क डाटा जमा करती है, और जनगणना के आधार पर रेटिंग तय करती है। जब जनसंख्या का आंकड़ा ही गलत है, तो रेंटग क्या सही हो सकती है?

सेवा के नाम पर जबरन वसूली

भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा गरीब हैं और यह दुनिया की सबसे निजीकृत स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में से एक है। भारत की राज्य और केंद्र सरकारें मिलकर स्वास्थ्य सेवा पर सकल घरेलू उत्पाद का 1.29 प्रतिशत से अधिक खर्च नहीं करतीं, जो कम आय वाले देशों की तुलना में भी बहुत कम है। यहां अमीर देशों को भूल ही जाइए, जो कम से कम सात प्रतिशत खर्च करते हैं। कोविड जैसी महामारी के दौरान यह उम्मीद थी कि केंद्र सरकार 2022 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को सकल घरेलू उत्पाद का 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए अपनी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति की प्रतिबद्धता को लागू करना शुरू कर देगी, पर यथार्थ इससे कोसों दूर है। यहां तक कि सरकार के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज 2020 में सार्वजनिक स्वास्थ्य (पीपीई, परीक्षण आदि के लिए 15 हजार करोड़ रुपये को छोड़कर) के लिए कुछ भी नहीं था और वित्त वर्ष 2021-22 में स्वास्थ्य बजट और भी कम हो गया (यदि हम टीकों की खरीद-राशि को निकाल लें)। यह सवाल उठता है - अगर सरकारें निजी क्षेत्र पर इतनी निर्भर हैं, तो जब निजी क्षेत्र का तौर-तरीका अनैतिक हो जाए, तब क्या सरकारों के पास कोई सहारा है? अधिकांश भारत में न तो केंद्र और न ही राज्य और न नागरिकों के पास इस तरह के लालच के खिलाफ कोई सहारा है। स्वास्थ्य देखभाल संविधान की राज्य सूची में है और भारत के केवल 11 राज्यों व सभी केंद्र शासित प्रदेशों (दिल्ली को छोड़कर) ने क्लिनिकल प्रतिष्ठान (पंजीकरण और विनियमन) अधिनियम, 2010 (सीईए) को अधिनियमित किया है। इस क्लिनिकल प्रतिष्ठान (केंद्र सरकार) नियम 2012 के अनुसार, नैदानिक प्रतिष्ठान दी जाने वाली हर प्रकार की सेवा के लिए प्रभारित दरों और एक विशिष्ट स्थान पर उपलब्ध सुविधाओं को प्रदर्शित करेंगे, पर दिल्ली में ही कोई ऐसा नहीं करता। यदि आप पहले से लैपटॉप की कीमत नहीं जानते हों, तो क्या लैपटॉप खरीदेंगे? नैदानिक प्रतिष्ठान राज्य सरकारों के परामर्श से केंद्र सरकार द्वारा जारी दरों की श्रेणी के अनुसार, हर प्रक्रिया के लिए दर की मांग करेंगे। मानक का अनुपालन सुनिश्चित करेगा कि सेवाओं के अनावश्यक संचालन से बचा जाए। पर सच यह है, ज्यादातर निजी अस्पताल मर्जी से पैसे वसूलते हैं। अधिनियम में यह भी है कि यदि पंजीकरण की शर्तों का पालन नहीं किया जाता, तो पंजीकरण रद्द करना, किसी भी समय संभव है। पर अगर भारत के अधिकांश राज्यों में यह कानून ही नहीं है, तो अस्पतालों/सेवा प्रदाताओं को मान्यता रद्द होने का क्या डर होगा? जब राज्य में सीईए लागू नहीं है, तब मरीजों का क्या होता है? जैसे-जैसे महामारी फैलती गई, भारत सरकार से निजी अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल की बढ़ती लागत को नियंत्रित करने की मांग की गई। भारत में सार्वजनिक अस्पतालों की तुलना में लगभग दोगुने निजी अस्पताल हैं। देश की ग्रामीण आबादी के लगभग 85.9 प्रतिशत और शहरी आबादी के 80.9 प्रतिशत लोगों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ नहीं मिलता। अधिकांश वेंटिलेटर केवल निजी अस्पतालों में उपलब्ध हैं और उसमें भी वे केवल सात राज्यों में केंद्रित हैं। ये सब कमियां हताश रोगियों को निजी स्वास्थ्य सेवा की ओर जाने के लिए मजबूर करती हैं। पश्चिम बंगाल ने घोषणा की कि कोविड-19 मामलों को संभालने वाले सार्वजनिक और निजी अस्पतालों में इलाज पूरी तरह से मुफ्त होना चाहिए, पर अधिकांश बड़े कॉरपोरेट निजी अस्पतालों ने असमर्थता जता दी। नई दिल्ली में निजी अस्पतालों को 60 प्रतिशत बेड रियायती दर पर देने को कहा गया, लेकिन तब भी कई रोगियों को बिना सब्सिडी वाले बिस्तर लेने के लिए मजबूर किया गया। बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद जैसे शहरों के प्रशासन ने निजी अस्पतालों के खिलाफ सफलतापूर्वक कार्रवाई की है, जो अब उन रोगियों को रिफंड कर रहे हैं, जिनसे कोविड-19 उपचार के लिए अधिक शुल्क लिए गए थे। तेलंगाना ने ज्यादा वसूली की पहचान आसान बनाने के लिए मदबद्ध बिलिंग अनिवार्य कर दी है। महाराष्ट्र ने अपनी एकीकृत राज्य स्वास्थ्य बीमा योजना में निजी अस्पतालों की संख्या को दोगुना कर 1,000 कर दिया है और इसे एक लाख रुपये या उससे कम की वार्षिक आय वाले परिवारों तक बढ़ा दिया है। राज्य ने निजी अस्पतालों में कोविड और गैर-कोविड उपचार की लागत पर एक दर कैप भी लागू की है, यह एक उपाय है, जिसे पूरे देश में आजमाया जा रहा है। निजीकृत स्वास्थ्य देखभाल की कीमतों को विनियमित करना केंद्र सरकार के लिए आसान होना चाहिए। लेकिन सरकार ने अब तक व्यापक स्तर पर कुछ भी करने की कोशिश नहीं की है, हालांकि राज्य सरकारें महामारी में रेट कैपिंग के साथ प्रयोग कर रही हैं। दिल्ली में गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एक समिति ने दिल्ली के 350 निजी अस्पतालों में दरों पर लगाम की सिफारिश की थी - कोविड-19 रोगियों के लिए प्रतिदिन 10,000 रुपये, जिन्हें बिस्तर और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) की आवश्यकता होती है। गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में भर्ती होने की जरूरत वाले लोगों के लिए 15,000 रुपये; और वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत वाले लोगों के लिए 18,000 रुपये तय किए गए थे।

जान से ज्यादा कीमती नहीं परीक्षा

बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा (विशेषकर सीबीएसई) को रद्द करने का फैसला इस समय उपलब्ध सभी विकल्पों में सबसे अच्छा माना जाएगा। यह अत्यंत साहसिक निर्णय है, जो देश की संवेदनशीलता को भी दिखाता है। हम सब जानते हैं कि 12वीं के तकरीबन 1.5 करोड़ परीक्षार्थियों में से कई अगले दसेक वर्षों में देश के विभिन्न स्थानों पर ऊंचे पदों पर निर्णय लेने वाली स्थिति में होंगे। इसलिए उनका भविष्य सुरक्षित रहना ही चाहिए। चूंकि अभी हम कोरोना रूपी अदृश्य शत्रु के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं, जिसका चरित्र अब भी पूरी तरह से सुलझा नहीं है, इसलिए बच्चों की सुरक्षा से बड़ा कोई दूसरा लक्ष्य अभी हो नहीं सकता। हां, बच्चों को यह चिंता जरूर होगी कि अगर उन्होंने सुनिश्चित परंपरागत परीक्षा नहीं दी, तो उन्हें संभवत- दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। हो सकता है कि विश्वविद्यालयों में प्रवेश में उन्हें कठिनाई हो, या प्रतियोगी परीक्षाओं में उन्हें मुश्किल पेश आए। लेकिन धीरे-धीरे बच्चे समझ जाएंगे कि सुरक्षा के सामने ये सभी कठिनाइयां छोटी हैं, और इस समय का उपयोग करने के लिए कई ऐसे विकल्प उनके पास हैं, जिनके बारे में उन्हें मिल-बैठकर चर्चा करनी चाहिए। पिछले कुछ महीनों में देश किन कठिन परिस्थितियों से गुजरा है, यह हर कोई जानता है। कोरोना के कारण लोग दुखी हुए, परिवार कष्ट में रहे और समाज परेशान हुआ। हमने नकारात्मकता भी देखी, जहां कुछ लोग केवल आलोचक की भूमिका में रहे और सकारात्मकता को भी सराहा, जहां व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत रूप में लोगों ने एक-दूसरे की मदद की। इससे सबक लेते हुए बच्चों को अपनी चिंता से बाहर निकलना चाहिए। उन्हें न सिर्फ दूसरों की मदद करनी चाहिए, बल्कि नकारात्मक प्रवृत्तियों से भी बाहर निकलने की कोशिश करनी चाहिए। इस समय का सदुपयोग उन्हें यह सीखने के लिए करना चाहिए कि अचानक सामने आई बड़ी से बड़ी समस्या का किस तरह से सामना किया जाता है? यह 'कॉन्फ्लिक्ट रिजोल्यूशन' के गुर सीखने का समय है। तनाव, दबाव का बखूबी सामना करने का कौशल बच्चों को अभी सीखना चाहिए। उन्हें सरकार के इस फैसले का सार समझना चाहिए। हालांकि, उनके पास यह विकल्प भी है कि हालात सामान्य होने के बाद वे परीक्षा दे सकते हैं, इसलिए अभी ज्यादा तनाव पालने का कोई मतलब नहीं है। अब सवाल यह है कि बच्चों में सकारात्मकता आएगी कैसे? कई बच्चे यह मानते हैं कि अब तक वे पाठ्य-पुस्तक और स्कूली परीक्षाओं के दायरे में ही आगे बढ़े हैं। जीवन में पहली बार वे इस बंधन से बाहर निकल सकते हैं। जैसे, अगले कुछ महीनों का वक्त अलग-अलग विधा की किताबें पढ़ने में लगाया जा सकता है। विज्ञान के विद्यार्थी चाहें, तो समाज विज्ञान की किताबें पढ़ सकते हैं। शैक्षणिक डिग्री बेशक जरूरी हैं, लेकिन इतिहास, विरासत, भूगोल, सामाजिक संबंध आदि की समझ भी जरूरी है। वैसे भी, बंधन मुक्त पढ़ना काफी आनंददायक होता है, और 12वीं के बच्चों के पास संभवत- जीवन का यह पहला मौका होगा, जब वे बिना किसी बंधन के अलग-अलग विधा की किताबें पढ़कर आनंद का अनुभव कर सकते हैं। बच्चों को 'लाइफ लॉन्ग लर्निंग' का महत्व भी सीखना चाहिए। आज पूरा विश्व मानता है कि इसके बिना कोई दूसरा रास्ता नहीं है। परीक्षाएं हम भले ही पास कर लें, लेकिन जो ज्ञान हम प्राप्त करेंगे, वह अगले दो-चार साल बाद हमारे जीवन में कितना काम आएगा, यह समझ आवश्यक है। जैसे, 40-50 साल पहले यदि कोई टाइप राइटर सीख लेता था, तो वह कौशल कई वर्षों तक उसके काम आता था, लेकिन आज हमें यह नहीं पता कि जो कंप्यूटर हमारे हाथों में है, उसका सॉफ्टवेयर छह महीने तक भी हमारे काम का होगा अथवा नहीं? बच्चों को यह समझना चाहिए कि परिवर्तन की यह गति लगातार बढ़ती जाएगी। उन्हें अपने कौशल को निखारते हुए हमेशा कुछ-न-कुछ नया सीखना होगा, तभी उनका जीवन आगे बढ़ सकेगा। बच्चों के पास अभी यह जानने का मौका है कि इस कौशल-विकास की प्रक्रिया में वे नया क्या और कैसे सीख सकते हैं? बच्चों को इन दिनों यह भी देखा होगा कि समाज कैसे डुएक-दूसरे की मदद कर रहा है। सहयोग और सेवा की यह भावना अदृश्य जरूर है, लेकिन महत्वपूर्ण है। हम यह साफ-साफ देख सकते हैं कि जो देश अनुशासन की बात करता है, ज्ञान की वकालत करता है, बच्चों के लिए संवेदनशील होता है और उनके विकास के लिए रास्ता तैयार करता है, वही तरक्की करता है। हमें यह सीख जीवनपर्यंत याद रखनी चाहिए। हमें न सिर्फ साथ-साथ रहना सीखना होगा, बल्कि सभी संस्कृतियों और देशों के बारे में भी जानना होगा। बोर्ड परीक्षा रद्द होने के बाद अब आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर परिणाम घोषित किए जाएंगे। इसको लेकर भी हमारे बच्चों को बिल्कुल चिंता नहीं करनी चाहिए। सीबीएसई और अन्य सभी बोर्डों के पास ऐसे विशेषज्ञ हैं, जो जानते हैं कि इस विपरीत परिस्थिति में क्या किया जा सकता है? पहले भी कई बार ऐसा हुआ है, जब किसी न किसी कारण से परीक्षा की कॉपियां नष्ट हो गईं। तब, वैज्ञानिक आधार पर बनाए गए तरीकों से बच्चों का मूल्यांकन किया गया। हमारे विशेषज्ञ इस बार भी ऐसा कोई रास्ता मिल-बैठकर निकाल लेंगे। मुमकिन है कि विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा के नियमों में भी आवश्यक संशोधन हो। इसलिए सभी प्रकार नकारात्मकता को पीछे छोड़ते हुए बच्चे नए-नए ज्ञान अर्जित करें और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें। हमें यह भी समझना होगा कि शिक्षा की गतिशीलता ही उसकी उपयोगिता निर्धारित करती है और मानव को उसके लक्ष्यों की ओर ले जाती है। हमारी नई शिक्षा नीति में इस तरह की बातों का ख्याल रखा गया है। अगर यह लागू हो चुकी होती, तो बच्चों का सतत मूल्यांकन हम आसानी से कर पाते। मगर दुर्भाग्य है कि हमारे सभी स्कूलों में ऐसी व्यवस्था नहीं है। अगर पूरे देश में उचित अनुपात में शिक्षक हों, समाज का व्यवस्था पर विश्वास हो और अध्यापकों को पढ़ाने के अलावा किसी दूसरे कामों में न लगाया जाए, तो निश्चय ही अध्यापकों का मूल्यांकन सभी को स्वीकार्य होगा। सिद्धांत यही कहता है कि बच्चे का असल मूल्यांकन वही कर सकता है, जो उसे पढ़ाता हो। उम्मीद है, मौजूदा असामान्य परिस्थितियों से सबक लेते हुए हम भविष्य के ऐसे हालात का सामना करने के लिए तैयार हो सकेंगे।

शराबबंदी से बौखलाएं अज्ञात तत्वों ने अभद्र भाषा लिखकर पंचायत भवन की दीवार पर लगाएं पोस्टर

सरपंच एवं शराबबंदी समिति की शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

ग्रामीण क्षेत्रों में शराबबंदी गांव एवं समाज के बदलते स्वरूप की मिसाल बनते जा रही है, लेकिन अवैध शराब बिक्री करने वाले कारोबारी एवं उनके नुमाइश गुर्गे इस अभियान को असफल बनाने में तूले हुए हैं। और दिन ब दिन अनेकों प्रकार के हथकंडे अपनाकर शराब बिक्री प्रारंभ करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन शराब बिक्री पर रोक लगाने वाले संगठन भी मजबूती के साथ खड़े नजर आते हैं।ड़ ग्राम में पुरी तरह से शराब बिक्री पर रोक लगे जिससे ग्राम का माहौल सौहार्दपूर्ण बना रहे इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए जिले की विकासखण्ड लांजी अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा की नवनिर्वाचित आदिवासी महिला सरपंच श्रीमती कमला संजय घोरमारे के मार्गदर्शन में नशामुक्ति समिति का गठन किया गया। जिसमें श्रीमती सावित्री बाई घोरमारे अध्यक्ष, वर्षा कटरे उपाध्यक्ष, गुड़ि्या बिसेन सचिव एवं ग्रामीण महिलाओं को सदस्य बनाया गया है। समिति का उद्देश्य गांव में अवैध एवं चोरी चुपके बिक रही शराब पर प्रतिबंध लगा कर गांव को सुसज्जित, सुसंस्कृत, शराब मुक्त तथा शराब प्रतिबंधित ग्राम बनाना था, और धीरे धीरे गांव में बिक रही अवैध शराब पर समिति की महिलाओं के द्वारा अंकुश लगाकर सफलता भी हासिल कर लिया था, किन्तु शराबबंदी से बौखलाएं अज्ञात अवैध शराब कारोबारियों एवं उनके नुमाइश गुर्गों तथा अज्ञात असामाजिक तत्वों के द्वारा 1 दिसंबर की रात्रि में ग्राम पंचायत की दीवार पर अभद्र भाषा एक कागज में लिखकर खाने के पके अनाज के दानों की सहायता से चिपका दिया गया, जिसमें ग्राम की सरपंच के अलावा समिति के सदस्यों के लिए अनुचित शब्दावली का प्रयोग किया गया था, जिसको लेकर पंचायत के सभी सदस्यों एवं नशा मुक्ति समिति के सभी सदस्यों में आक्रोश है। और इसे लेकर ग्राम पंचायत भवन में 3 दिसंबर को बैठक संपन्न की गई तथा उक्त शरारत करने वाले शरारती तत्वों की पहचान कर कानून को सौंपने का फैसला लिया गया।

शिकायत पर जांच में जुटी पुलिस–सरपंच एवं नशा मुक्ति समिति के सदस्यों के द्वारा इसकी शिकायत लांजी थाना प्रभारी दिनेश कुमार सोलंकी को की गई, जिसके पश्चात थाना लांजी से एएसआई अक्षय यादव, विजय हरदिया कांस्टेबल के द्वारा 6 दिसंबर को दोपहर लगभग 2 बजे ग्राम पंचायत भवन पंहुचकर मामले की जांच की गई तथा शिघ्र दोषियों को गिरफ्तार करने की बात कही गई है। कहीं ना कहीं गांव में शराबबंदी सफल होने से ऐसा कृत्य करना समझ आ रहा है, फिलहाल यह जांच का विषय है कि ऐसा अशोभनीय कृत्य किसने किया और क्यों किया। लांजी पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटी हुई है। वहीं शराब प्रतिबंधित ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा की सरपंच एवं नशा मुक्ति समिति की अध्यक्ष एवं सदस्यों ने स्पष्ट किया है कि वे ऐसे कृत्यों से डरने वाले नहीं हैं, गांव में शराबबंदी लागू रहेगी। ग्राम घोटी घुसमारा शराब प्रतिबंधित ग्राम बना रहेगा। हमारे द्वारा थाने में शिकायत दर्ज करा दी गई है, हमें पुलिस पर पुरा विश्वास है कि वह इन शरारती तत्वों शिघ्र गिरफ्तार करेगी, पुलिस अपने स्तर पर जांच करेगी, हम भी अपने स्तर पर जानकारी एकत्रित करेंगे और एसा काम करने वालों को ढुंढ कर सजा देंगे। फिलहाल जांच जारी है।

कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा ने 96 आवेदकों की जनसुनवाई में सुनी गई समस्या

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

बालाघाट। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन मंगलवार को किया गया। इसमें कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार, डिप्टी कलेक्टर विरेन्द्र रावत एवं राहुल नायक ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ अपनी समस्या लेकर आएं आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनका त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये।

नीलागोंदी को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग रखी–जनसुनवाई में किरनापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कांद्रीकला की सरपंच ललिता भोंगाड़े ग्राम पंचायत कांद्रीकला के आश्रित ग्राम नीलागोंदी को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग लेकर आयी थी। उनके द्वारा नीलागोंदी के किनारे से गुजरने वाली बाघ नदी में बाड़ आने पर नीलागोंदी का कांद्रीकला से सड़क टूट जाने के कारण नीलागोंदी से कांद्रीकला तक ग्रेवल सड़क निर्माण की मांग की गई है। वारासिवनी तहसील के ग्राम मुरमाड़ी की रत्नमाला सहारे शिकायत लेकर आयी थी कि उसका पोस्ट आफिस लड़सड़ा में बचत खाता है। इस खाते में 51 हजार 666 रुपये की राशि जमा थी। पोस्ट आफिस लड़सड़ा के कर्मचारी अरविंद घोड़ेश्वर द्वारा 25 नवंबर 2022 को उसे सूचना दिये बगैर धोखाधड़ी करके उसके खाते से 51 हजार 100 रुपये की राशि निकाल ली गई है। अतः अरविंद घोड़ेश्वर के विरूद्ध कार्यवाही कर उसकी राशि वापस दिलायी जाये। बालाघाट विकासखंड के ग्राम मगरदर्रा की खेलन बाई नेवारे शिकायत लेकर आयी थी कि वह गांव के श्रीगणेश स्व सहायता समूह की अध्यक्ष है। उनका समूह शाला में मध्यान्ह भोजन बनाता है। लेकिन लक्ष्मी नारायण कावड़े माध्यमिक शाला के शिक्षक के साथ मिलकर उसके फर्जी हस्ताक्षर से आरओ बनाकर सोसायटी से अनाज उठाते है और बैंक से भी फर्जी हस्ताक्षर कर लेन-देन करते है। इस स्थिति को रोका जाये। किरनापुर तहसील के ग्राम टिमकीटोला की दुर्गा बाई शिकायत लेकर आयी थी कि उसे आवास बनाने के लिए 25 हजार रुपये की किश्त मिली है। लेकिन उसे मकान बनाने के लिए पट्टे पर मिली जमीन पर भादूलाल कावरे ने कब्जा कर लिया है। अतः उसकी जमीन से अवैध कब्ज हटाया जाये और उसे मकान बनाने दिया जाये। जनसुनवाई में वारासिवनी विकासखंड के ग्राम मंगेझरी के जैरामटोला के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि ग्राम पंचायत मंगेझरी का आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक-05 का भवन कालागोटा में स्वीकृत किया गया है। जबकि यह आंगनवाड़ी केन्द्र जैरामटोला मंक संचालित किया जा रहा है। कालागोटा में मात्र 06 बच्चे है और जैरामटोला में 20 बच्चे है। अतः आंगनवाड़ी केन्द्र का भवन जैरामटोला में ही बनाया जाये। खैरलांजी विकासखंड के ग्राम टटेकसा का कैलाश कावड़े एवं बालाघाट विकासखंड के ग्राम चमरवाही के सुरेन्द्र फुलोके, यशंवत फुलोके, ब्रजेश फुलोके उनका मकान कच्चा एवं जर्जर होने के कारण उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग लेकर आये थे। सतपुड़ा प्रायवेट आईटीआई मांझापुर के प्रशिक्षणार्थी शिकायत लेकर आये थे कि उनका सत्र 2020-22 का था, लेकिन उन्हें प्रथम व द्वितीय वर्ष की छात्रवृत्ति अब तक नहीं मिली है।

देवरबेली में धान खरीदी केन्द्र खोलने की मांग–लांजी तहसील के ग्राम देवरबेली के किसान ग्राम देवरबेली में धान खरीदी केन्द्र खोलने की मांग लेकर आये थे। किसानों का कहना था कि वर्ष 2021 में देवरबेली में धान खरीदी केन्द्र बनाया गया था। लेकिन इस वर्ष देवरबेली से 20 किलोमीटर दूर घोटी में खरीदी केन्द्रे बनाया गया है। जिसके कारण देवरबेली के किसानों को बहुत असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। अतः इस वर्ष भी देवरबेली में धान खरीदी केन्द्र बनाया जाये। ऐसी ही शिकायत लेकर ग्राम कावेली के किसान भी आये थे। उनका कहना था कि कावेली के किसानों के लिए 25 किलोमीटर दूर बिठली में केन्द्र बनाया गया है। वारासिवनी तहसील के ग्राम सालईटोला-मंगेझरी की भूमेश्वरी सोनवाने शिकायत लेकर आयी थी कि वी 41 प्रतिशत निःशक्त महिला है और उसने दिनेश मेश्राम से 27 अप्रैल 2022 को किया है। उसके द्वारा निःशक्त विवाह प्रोत्साहन योजना की राशि के लिए आवेदन किया है, लेकिन उसे अब तक यह राशि नहीं मिली है। अतः उसे शीघ्र इस योजना की राशि दिलायी जाये। बैहर विकासखंड की ग्राम पंचायत जैतपुरी के ग्रामीण शिकायत लेकर आये थे कि ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती रमली पन्द्रे के पति सालिकराम पन्द्रे द्वारा ग्राम सभा की बैठक का संचालन किया जाता है और ग्रामीण कुछ बात रखते हैं तो उन्हें ग्राम सभा से भगाया जाता है। शासन के निर्देश है कि सरपंच पति ग्राम सभा की बैठक में शामिल नहीं हो सकते हैं अतः सरपंच एवं सरपंच पति पर शीघ्र कार्यवाही की जाये।

समानता का संदेश व पोषण आहार वितरित कर एचआईवी पीड़ितों को किया जागरूक

उमाकान्त शर्मा पुष्पांजली टुडे भिण्ड

भिण्ड। जिले में सामाजिक संस्था विहान द्वारा एचआईवी पीड़ित व टीवी मरीजों को समानता का संदेश देकर मरीजों को जागरूक करने का कार्य किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला चिकित्सालय के नोडल अधिकारी डॉ. आसंदीप शाक्य,सीमा जैन काउन्सलर, भारती,पंचवटी यूके स्टाफ नर्स व ऋषिकांत शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर की स्तुति एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि एड्स नियंत्रण संस्था द्वारा जिले में एचआईवी एड्स के लिए कार्य कर रहे लोगों को विहान संस्था द्वारा सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित शाक्य ने अपने उदबोधन में कहा कि कोई भी सामाजिक कार्य केवल फोटो सेशन तक सीमित नहीं होना चाहिए आज का यह कार्यक्रम इसका जीवंत प्रमाण है समाज के प्रत्येक वर्ग को जागृत होकर टीवी और एचआईवी जैसी बीमारी से ग्रसित लोगों से जुड़ना होगा एवं उन्हें समानता का एहसास दिलाना होगा। भिण्ड जिले में पदस्थ विहान संस्था के ऋषिकांत ने एड्स के बारे में पूरी जानकारी उपस्थित लोगों को दी। एचआईवी एड्स असुरक्षित यौन संपर्क के साथ-साथ संक्रमित सुई से, संक्रमित ब्लड के ट्रांसफ्यूजन से एवं गर्भवती माता से उसके शिशु को फैलता है।यह कैसे फैलता है और कैसे इसे रोका जा सकता है इसके बारे में बताया एवं समाज में सभी को समानता की दृष्टि से देखने का आव्हान किया । ऋषिकांत जी ने कहा कि अगर शासन के साथ समाज का प्रत्येक वर्ग कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ता है तो हम सिर्फ टीबी मुक्त भारत ही नहीं ऐडस मुक्त भारत भी बना सकेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नए नए क्षय मित्रों को जोड़ा गया।तथा पोषण आहार भी वितरण किया गया।और आगामी 6 माह तक पोषण आहार देने का संकल्प लिया। साथ ही टीबी- एचआईवी के भयाभय गठबंधन के बारे में भी बताया।काउंसलर सीमा जैन ने जिले में एड्स नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत दी जाने बाली दवाइयों के बारे में जानकारी दी तो जिले की स्थित बताते हुए परामर्शदाता श्री ऋषिकांत ने बताया कि जिले में एड्स नियंत्रण के लिए विभिन्न संस्थाएं काम कर रही जिनमें मुख्य रूप से बिहान प्रोग्राम कार्यक्रम हैं।विहान सोशल ग्रुप के सभी सदस्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

चारू ने हरदा में खेली कुश्ती, जीता कांस्य पदक

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। मध्य प्रदेश के हरदा शहर में राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में बजरंग दल की जिला संयोजक चारु सोनी ने कांस्य पदक जीत कर संगठन और सिरोंज शहर का नाम रोशन किया, इसी उपलक्ष्य में घर वापसी करते हुए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल प्रखंड सिरोंज द्वारा तात्या टोपे नया बस स्टैंड पर चारू को फूल माला पहनाकर संगठन के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया एवं मंगल कामनाओ के साथ ईश्वर से प्रार्थना की कि बहन चारू और भी आगे बड़ी-बड़ी खुशियां और गोल्ड मेडल जीत कर लाएं।

साइकिल पर बिठा कर फोटो खिंचवाने के बाद ले ली साइकिल वापस, अपमानित करने वाले अधिकारी पर कार्यवाही करने हेतु दिया ज्ञापन

रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर अंबेडकर भवन में आयोजित कार्यक्रम में विधायक जी के द्वारा दिव्यांगों को साइकिल वितरण की गई थी इसी क्रम में एक ऐसे दिव्यांग जिनका साइकिल पर बैठाकर फोटो तो खिंचवा लिया गया था लेकिन उनका लिस्ट में नाम ना होने की वजह से साइकिल से उतरने को कहा जिसको लेकर मंगलवार को दिव्यांगजन विकास परिषद की मीडिया प्रभारी शमीम उर्फ सब्बू गौरी के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन दिया गया जिसमें उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि दिव्यांग दिवस के दिन अम्बेडकर भवन सिरोंज में सोशल मीडिया के माध्यम से मालूम चला है कि ग्राम पंचायत मैं करईखेड़ा के ग्राम रहीमपुर के दिव्यांग पर्वतसिंह को विधायक ने साईकिल पर बिठा दिया और उक्त व्यक्ति माला पहनाकर साईकिल के साथ फोटो भी खिचवा लिये वही थोड़ी देर बाद जनपद पंचायत के अधिकारी कर्मचारी दिव्यांग के पास आये और बोले की तुम साईकल पर से उतर जाओ तुम्हारा नाम लिस्ट में नही है इस प्रकार उसको अपमानित किया जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की बात कहीं।

करैया हॉट में पुजारी गण का सम्मान समारोह आयोजित

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर अभिषेक कुशवाह

सिरोंज। सोमवार को करैया हॉट में एक सम्मान समारोह आयोजित कर गांव के पुजारी जी का सम्मान किया गया, कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के गांवों में यथा स्थिति मंदिरों के पुजारियों का यह सम्मान उनकी सनातन धर्म के प्रति निष्ठा और सेवा के बदले सामाजिक संस्था मानव अधिकार संरक्षण परिषद द्वारा पुजारीयों के यह सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे है, इस अवसर पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बोहत एडवोकेट, ब्लॉक कॉन्ग्रेस अध्यक्ष राज कुमार बघेल, देवेंद्र सिंह बघेल, गप्पी लाल शर्मा, कांग्रेश मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र राजपूत, नीरज श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बोहत एडवोकेट ने कहा कि हम पूज्य पुजारी गण का मानव अधिकार संरक्षण परिषद के माध्यम से गांव गांव जाकर सम्मान कर रहे हैं सामाजिक संस्था की ओर से किए जाने वाले इस सम्मान समारोह का ध्येय पूज्य पुजारी गण द्वारा पीढ़ीयों से मंदिरों के रख रखाव,धर्म नीति अनुसार ग्रामीण भाइयों को मार्ग दर्शन करना, धर्म नीति आधार पर चलने के लिए लोगों को प्रेरित करना जिससे क्षेत्र का संपूर्ण वातावरण धार्मिक नीति अनुसार बना रहे, इस हेतु जो पुजारी गण सेवाएं देते हैं इस लिए परिषद के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बोहत एडवोकेट ने सभी कुरवाई विधानसभा क्षेत्र के पूज्य पुजारी गण का सम्मान करने का निर्णय लिया है वह निरंतर प्रतिदिन गांव गांव जाकर क्षेत्र के पुजारी गण का सम्मान समारोह आयोजित कर रहे हैं, खास वात है कि उक्त समारोह ग्रामीण अंचल में किसी भी मंदिर पर या संस्था के द्वारा लगाए जाने वाले गांधी चौपाल एवं जन समस्या निवारण शिविर में पुजारियों को सम्मानित किया जा रहा है।

संविधान संदेश पदयात्रा डॉ. अम्बेडकर पार्क में हुआ समापन

सीहोर। विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वाधान एवं संघप्रिय कमलेश दोहरे के नेतृत्व में निकाली जा रही संविधान संदेश यात्रा का मंगलवार को समापन हो गया।

अंतिम दिवस पर यात्रा ग्राम चांदबढ़ से शुरू होकर शेखपुरा, जानपुर बाबडिया, कोडिया छीतू, बिजौरी होते हुए नगर में मंडी, लूनिया चौराहा, तहसील चौराहा, मुख्य बाजार होते हुए अंबेडकर पार्क पहुंची। इस अवसर पर जनसभा आयोजित हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल रहीं। पदयात्रा का नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। स्थानीय तहसील चौराहे से केण्डल मार्च निकाला गया। अम्बेडकर पार्क में सभी उपस्थित जनों ने महा परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में बाबा साहब की प्रतिमा के समक्ष नमन करते हुए पुष्पांजली अर्पित की। पद यात्रा के संयोजक कमलेश दोहरे ने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि पूरे देश में महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों का विश्लेषण करें तो स्पष्ट है कि अधिकांश मामलों में रिपोर्ट ही दर्ज नहीं करवाये जाते । चाहे पारिवारिक दबाव हो या सामाजिक दबाव जिसके चलते बहुत सी घटनाएँ परिवार की चारदीवारी में ही सिमट कर रह जाती हैं। महिलाओं के उत्थान एवं सरंक्षण के लिए पर्याप्त कानून एवं अधिनियम है, किन्तु लोगों को विशेषकर महिलाओं को कानूनों एवं अधिकारों का पर्याप्त ज्ञान ही नहीं है। अतः ऐसे कानूनों का पर्याप्त प्रचार-प्रसार या जानकारी समय-समय पर महिलाओं को प्रदान की जानी चाहिए। घरेलू हिंसा

ग्रामीणों सहित नगर वासियों का पदयात्रा को मिला भारी जनसमर्थन

से संबंधित मामलों में महिलाएँ आगे नहीं आती हैं। यदि पीड़ित महिलाएँ ऐसे घटनाओं के विरूद्ध आवाज उठाना भी चाहे तो समाज में इसे उचित नहीं माना जाता। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून व सरकार के साथ समाज को भी अपनी उचित भूमिका निर्वहन करना चाहिए । देश में कुल मतदाताओं में आधी संख्या महिलाओं की है। इसके बावजूद भी लोकसभा तथा राज्य विधानमंडलों में उनका प्रतिनिधित्व घोर निराशाजनक हे। अतः राजनीति में भी महिलाओं को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। पंकज शर्मा ने कहा कि भा.दं.सं. की धारा 498 ए के अंतर्गत विवाहित महिला पर सभी अत्याचार अपराध है, किन्तु इसे व्यवहार में दहेज प्रताडऩा से जोड़ दिया जाता है, जो कि उचित नहीं है। क्योंकि महिलाएँ फौजदारी मुकदमा के लिए हिम्मत नहीं जुटा पाती हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाएँ प्रतिनिधित्व नहीं कर पाती हैं। महिलाओं में साक्षरता के दर भी काफी कम है । आंकड़ों से स्पष्ट है कि 66त्न पुरुषों की तुलना में सिर्फ 39त्न महिलाएँ ही शिक्षित हैं। शिक्षा का इतना कम प्रतिशत भी महिलाओं के प्रति अत्याचार का कारण है। महिलाओं की स्थिति सुधारने में गैर-सरकारी संगठन अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं। साथ ही उत्पीड़ित महिलाओं को सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों द्वारा पर्याप्त दी जानी चाहिए तथा महिलाओं के लिए स्वरोजगार योजनाओं आदि को भी पर्याप्त महत्व दिया जाए। अंत में पंकज शर्मा द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

मथुरा के ईदगाह में हनुमान चालीसा की धमकी के बाद सख्त सुरक्षा

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही ईदगाह में अखिल भारत हिन्दू महासभा की घोषणा के बाद विवाद बढ़ते जा रहा है. अब मुथरा पुलिस ने कृष्ण जन्मस्थान में लड्डू गोपाल का जलाभिषेक करने जा रहे हिंदू महासभा के पदाधिकारी को हिरासत में लिया है. तीन दिन पहले जल लेकर चले सौरभ को मंगलवार को हिरासत में लिया है. उन्हें कृष्ण जन्मस्थान पहुंचने से पहले ही पुलिस ने हिरासत में लिया. दरअसल, अखिल भारत हिन्दू महासभा द्वारा छह दिसंबर को श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही ईदगाह में हनुमान चालीसा का पाठ करने की घोषणा के बाद मथुरा जिला प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी थी. जबकि अखिल भारत हिंदू महासभा के एक नेता ने सोमवार को जिला प्रशासन को चेतावनी दी थी. नेता ने कहा कि अगर

छह दिसंबर को उन्हें श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही ईदगाह में हनुमान चालीसा का पाठ नहीं करने दिया गया तो वह आत्मदाह कर लेंगे. वहीं, प्रशासन ने दावा किया है कि किसी भी व्यक्ति या संगठन को शांति व्यवस्था और सांप्रदायिक सौहार्द भंग करने की छूट नहीं दी जाएगी. वहीं मुथरा शहर के एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने बताया कि हिन्दू महासभा और उसका समर्थन कर रहे संगठनों के ईदगाह में हनुमान चालीसा पाठ करने की घोषणा की है. इसके मद्देनजर श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह मस्जिद के आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है. सोमवार को पुलिस बल ने इस इलाके में पैदल मार्च भी किया. हिन्दू महासभा के राष्टीय कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा था, ''मंगलवार को तय कार्यक्रमानुसार दोपहर में अभिजीत मुहूर्त में ईदगाह में यदि मुझे भगवान की जन्मस्थली पर हनुमान चालीसा पाठ नहीं करने दिया तो मैं आत्मदाह कर लूंगा.'' प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, ''हम भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना उनके जन्मस्थान पर नहीं करेंगे, तो फिर कहां करेंगे. यह जिला प्रशासन हमें बताएं.''

सपा ने वीडियो शेयर कर किया एवीएम में गड़बड़ी का दावा, कार्यकर्ताओं ने गाड़ी में जा रही मशीन को पकड़ा

मैनपुरी। लोकसभा उपचुनाव के लिए मतदान खत्म हो चुका है. मतदान के बाद मतपेटियों को मैनपुरी स्थित मंडी समिति में बने स्ट्रांग रूम पर जमा कराया गया. लेकिन वहीं भांवत चौराहे पर सेक्टर मजिस्ट्रेट की ईको वैन में रखी दो ईवीएम मशीनें सामने आई हैं. जिसको समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने ले जाते हुए पकड़ा है और एक उन्होंने गड़बड़ी होने का दावा किया है. ईवीएम पकड़े जाने पर सपा के कार्यकर्ता ने बताया कि अगर ईवीएम मशीन एक्स्ट्रा वाली है तो उस पर समय लिखा होना चाहिए जो नहीं लिखा है. गाड़ी को कार्यकर्ताओं के द्वारा रोका गया तो गाड़ी को तेजी से भगा दिया गया. लेकिन भांवत चौराहे पर गाड़ी को कार्यकर्ताओं ने रोक लिया और सवाल-जवाब शुरू हो गया.

इसका वीडियो साझा करते हुए सपा ने ट्वीट कर लिखा, मैनपुरी शहर में मतदान के बाद ईवीएम को स्ट्रांग रूम ले जाने के बजाय कहीं और ले जाते हुए पकड़ा जाना गंभीर धांधली और षड्यंत्र का पर्दाफाश करता है. तत्काल स्पष्टीकरण देते हुए कठोरतम कार्रवाई करे चुनाव आयोग. वहीं सूचना पर पहुंचे मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि यह ईवीएम मशीन एक्स्ट्रा ईवीएम मशीन है जो किसी पोलिंग बूथ पर मशीन खराब होने पर बदली जाती हैं. इनको वेयरहाउस से ही लाया जाता है और वापस वहीं पर जमा कर दिया जाता है. बता दें कि उपचुनाव में वोटिंग के पुलिस बीजेपी और सपा के ओर से जमकर एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए गए थे. दोनों ने एक-दूसरे पर वोटिंग को प्रभावित करने का आरोप लगाया था.

एग्जिट पोल के नतीजों पर सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश और दिल्ली नगर निगम के लिए मतदान पूरा हो चुका है. जिसके बाद तमाम न्यूज एजेंसी के एग्जिट पोल सामने आए हैं. जिन्होंने अपने-अपने दावे पेश किए हैं. इस बीच उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी एग्जिट पोल को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने दावा किया कि इन चुनावों में बीजेपी का प्रदर्शन और ज्यादा बेहतर होगा.

गुजरात, हिमाचल और दिल्ली एमसीडी के एग्जिट पोल में जहां ज्यादातर न्यूज एजेंसी ने गुजरात में बीजेपी की बंपर जीत का दावा किया है तो वहीं हिमाचल में भी कांग्रेस और बीजेपी के बीच कांटे की टक्कर है. ऐसे में टीवी चैनलों और तमाम एजेंसियों द्वारा जारी किए गए एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रतिक्रिया दी और कहा है कि इन चुनावों के परिणाम और ज्यादा बेहतर होंगे. भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत के साथ इन चुनावों को लड़ा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मेहनत और पार्टी के संगठन का साथ, इन चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करेगा. आपको बता दें कि एबीपी सी वोटर के एग्जिट पोल के आंकड़ों के मुताबिक गुजरात की 182 विधानसभा सीटों में बीजेपी को इस बार कम से कम 128 सीट और अधिकतम 140 सीटें हासिल हो सकती हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश में बीजेपी को 33 से 41 सीटें, कांग्रेस को 24 से 32 सीटें मिलने का अनुमान हैं. अन्य को 4 सीटें और क्कक्का खाता भी नहीं खुलता हुआ दिखाई दे रहा है. सीएम पुष्कर सिंह धामी से जब प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव आर राजेश कुमार द्वारा चार धाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग के फेलियर को लेकर सवाल किया गया तो सीएम ने कहा कि पिछली बार कुछ कमियां रही थी, लेकिन इस बार पूरी तैयारी रहेगी और यात्रा शुरू होने से पहले स्वास्थ्य विभाग पर ज्यादा फोकस रहेगा.

यूपी में तेज हवाओं के कारण बढ़ेगी ठंड और गिरेगा पारा

लखनऊ। यूपी समेत पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर दिखाने लगा है. बीते काफी दिनों से पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ रही है. पहाड़ों पर हुई बर्फबारी से यूपी समेत पूरे उत्तर भारत के राज्यों में तापमान में गिरावट दर्ज की जारी है. वहीं कई जगहों पर शीतलहर का असर दिखने लगा है. मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी यूपी में शर्द हवाएं ठंड के साथ कनकनी बढ़ा सकती है. जबकि कई जिलों में घना कोहरा छाया रहेगा.

राजधानी लखनऊ में बीते कुछ दिनों से तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है. मंगलवार को जिले के तापमान में हल्की गिरावट के वजह से ठंड बढ़ी है. लेकिन बीते दो दिनों के मुकाबले मंगलवार को हवा तेज रहने की संभावना है. वहीं जिले का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना है. राजधानी में वायु प्रदुषण बहुत खराब की श्रेणी में है. मंगलवार की सुबह राजधानी के तालकटोरा इंडस्ट्रियल इलाके में 324 दर्ज किया गया है. दिल्ली एनसीआर में आने वाले यूपी के इस इलाके में मंगलवार को तापमान में गिरवाट दर्ज की गई. तापमान में गिरावट के साथ ही हवाओं के कारण कनकनी भी बढ़ी हुई है. वहीं न्यूनतम तापमान 9 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री रहने की संभावना है. नोएडा में मंगलवार को वायु प्रदुषण बहुत खराब की श्रेणी में दर्ज किया गया. नोएडा के सेक्टर 116 में 305 दर्ज किया गया है. वाराणसी में अगले कुछ दिनों में ठंड बढ़ने की संभावना है. जिले में मंगलवार को तेज हवाओं के कारण ठंड में बढ़ोतरी हो सकती है. यहां न्यूनतम तापमान 10 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री रहने की संभावना है. हालांकि वाराणसी में वायु प्रदुषण अच्छा की श्रेणी में है. जहां बीएचयू वाले इलाके में शुक्रवार की सुबह 98 दर्ज किया गया है. मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार को प्रयागराज में 10 डिग्री सेल्सियस, गोरखपुर में 11 डिग्री सेल्सियस, मेरठ में 10 डिग्री सेल्सियस, बरेली में 10 डिग्री सेल्सियस, बहराइच में 11 डिग्री सेल्सियस, झांसी में 10 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इन जिलों में कोहरा होने का भी अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है.

रामपुर उपचुनाव में क्यों हुई इतनी कम वोटिंग

यूपी उपचुनाव में सोमवार को तीन सीटों पर वोटिंग हुई. तीन सीटों में सबसे कम वोटिंग रामपुर उपचुनाव में हुई है. इस सीट पर केवल 33.94 फीसदी वोटिंग हुई. जबकि मैनपुरी सीट पर 54.37 फीसदी और खतौली सीट पर 56.46 फीसदी वोट डाले गए. जिसके बाद समाजवादी पार्टी विधायक अब्दुल्ला आजम ने इस कम वोटिंग की खास वजह बताई. सपा विधायक अब्दुल्ला आजम खान ने कहा, मेरे ख्याल से ये चुनाव आयोग और जिला प्रशासन की नाकामी है कि तीन बजे तक 26 फीसदी पोल हो गया. ये तो 2.6 होना चाहिए था. ये तो बड़ी नाकामयाबी है. ये 26 फीसदी कैसे हुआ. लगता है कि कुछ डंडे अभी कम पड़े हैं. कुछ लोगों के हाथ कम टुटे हैं और कुछ महिलाओं के साथ शायद बर्बरता कम हुई है. बुजुर्ग महिलाओं के हाथ तोड़ दिए गए हैं. इन महिलाओं को वोट नहीं डालने दिया गया है. स्वार विधायक ने कहा, पुलिस ने महिला वोटर्स की पर्चियां फाड दी है. जिसको पर्ची चेक करने का अधिकार भी नहीं है. मेरे ख्याल से एक बहुत बड़ी नाकामी है कि 26 फीसदी वोट पड़ा. जब ये 2.6 फीसदी होता तो स्वस्थ्य लोकतंत्र की नींव पड़ती. वो वीडियो जो आ रहे हैं वो झूठी हैं. अभी पांच महीने पहले उपचुनाव हुआ था, तब यही उम्मीदवार थे जो 55 हजार से हारे थे. उन्होंने कहा, मेरे ख्याल से पांच महीने में कोई ऐसी सौगात नहीं मिल गई, जिससे उनका इतना बड़ा ह्रदय परिवर्तन हो जाएगा. अभी छह महीने पहले बदलवा हुआ है. मैं आज फिर से मांग करता हूं कि पूरे जिले में जो फैजी भाई आए हुए हैं. इस जिले को उनके हवाले किया जाए. उसके बाद निष्पक्ष चुनाव कराया जाए, तो देख लेंगे कौन कितने उजाले में आया है. हमें सबपर भरोसा है. पुलिस, प्रशासन और चुनाव आयोग सबपर हमको भरोसा है.

शांतिपूर्ण हुआ मतदान, संवेदनशील जगहों पर थी विशेष नजर: डीआईजी सहारनपुर रेंज

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर उपचुनाव का मतदान शाम 6 समाप्त हो गया. इस दौरान डीआईजी सहारनपुर रेंज सुधीर कुमार ने

जानकारी देते हुए बताया कि माहौल बहुत ही शांतिपूर्ण रहा. लोगों ने सुरक्षा के साथ निर्भीक होकर मतदान किया. डीआईजी सुधीर कुमार ने कहा कि सारी व्यवस्थाओं के बीच महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में मतदान किया. साथ ही कहा कि अकेली-अकेली महिलाएं बच्चों के साथ मतदान केंद्र गई और मतदान करने के बाद आराम से निर्भीक होकर वापस लौटी. उन्होंने कहा कि यह एक पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था का प्रमाण है. हमने लगातार मोबाइलटी को बनाए रखा जहां-जहां संवेदनशील स्थान थे, उन पर पुलिस पिकेट मौजूद रहा और लगातार यह प्रयास किया गया कि निष्पक्ष और निर्भीक होकर पारदर्शी मतदान को अंजाम दिया जा सके. गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया के आरोप के सवाल पर डीआईजी सुधीर कुमार ने कहा कि मैं भी बहुत सारे पोलिंग बूथ पर घुमा हूं. वहां लोगों से बातचीत भी की, पोलिंग एजेंट से भी बातचीत की गई. उन्होंने कहा कि लगातार मीडियाकर्मी भी फील्ड पर सक्रिय रहे. उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि किसी मतदाता ने मौके पर कोई शिकायत की हो कि उसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है और उसे कहीं ना जाने दिया जा रहा हो. उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि पॉलीटिकल पार्टीज अपना स्वार्थ सिद्ध करने के लिए बहुत सारे आरोप लगाते हैं. ताकि ध्यान भटक सके और वह अपना काम कर सकें. डीआईजी सहारनपुर रेंज सुधीर कुमार ने पूरी व्यवस्था के लिए मुजफ्फरनगर जिला अधिकारी चंद्र भूषण सिंह और एसएसपी विनय जायसवाल को बधाई दी. साथ ही कहा कि हमारे जिले के दोनों अधिकारियों ने इस तरह का चक्रव्यूह रचा की जनता के बीच लगातार मोबिलिटी बनी रही. हर दो-तीन मिनट के बाद जनता के बीच कोई ना कोई ऑफिसर पोलिंग सेंटर पहुंचता रहा. संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी रही, जिससे किसी को भी किसी मतदाता को कुछ करने की हिम्मत नहीं हुई.

वाराणसी में नशे में धुत मिला सिपाही

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक सिपाही का वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में सिपाही नशे की हालत में नजर आ रहा है. इस सिपाही की तैनाती पुलिस लाइन में बताई जा रही है. राहगीरों ने सिपाही नशे की हालत में देखने पर उसका वीडियो बना लिया. वीडियो लेने वाले व्यक्ति ने जब उससे शराब पीने की वजह पूछी तो उसने कहा कि छुट्टी नहीं मिली इसलिए शराब पी ली है. यह घटना वाराणसी के कैंट थाना क्षेत्र के हुकुलगंज की है. यह वीडियो रात के समय शूट की गई है जिसमें सिपाही सड़क किनारे लेटा दिख रहा है और वर्दी पहनी हुई है. वह ठीक से बोल पाने की स्थिति में भी नजर नहीं आ रहा है. उसके चेहरे पर मायूसी साफ झलक रही है. सड़क पर लेटे हुए सिपाही से जब एक व्यक्ति ने पूछा कि आप ऐसी हालत में क्यों हैं तो उसने कहा, मुझे छुट्टी नहीं मिली तो मैंने ड्रिंक कर ली. मेरा विभाग मुझे छुट्टी नहीं देता, मेरा मेडिकल भी है, सभी दस्तावेज दिखाए गए हैं फिर भी छुट्टी नहीं मिली, इसलिए मैंने छुट्टी की अनुप्लब्धता में शराब पी ली. इस घटना पर अभी विभाग की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है. यह वीडियो किस दिन का है यह भी स्पष्ट नहीं है लेकिन यह घटना रात के वक्त की है. वीडियो के पीछे से जो आवाजें सुनी जा सकती हैं उससे ऐसा लग रहा है कि सिपाही सस्पेंडेड है.

भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर मायावती ने किया याद

लखनऊ। पूरे देशभर में डॉ. भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें याद किया जा रहा है. वहीं बीएसपी प्रमुख मायावती ने भी परिनिर्वाण दिवस पर संविधान निर्माता को याद किया. इस दौरान उन्होंने संविधान का जिक्र करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. बसपा प्रमुख ने ट्वीट कर लिखा, देश को पूर्ण जनहितैषी, कल्याणकारी व समतामूलक संविधान देकर धन्य करने वाले परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को उनके परिनिर्वाण दिवस पर शत्-शत् नमन. उन्होंने हर मामले में बेहतरीन संविधान देकर भारत का नाम देश-दुनिया में जो रौशन किया है वह अनमोल. देश उनका सदा आभारी. मायावती ने अपने अगले ट्वीट में लिखा, ÷देश की सरकारें काश उस संविधान के पवित्र उसूलों के तहत कार्य करती तो यहाँ करोड़ों गरीब व मेहनतकशों को काफी मुसीबतों से कुछ मुक्ति मिल गई होती. संविधान के आदर्श को जमीनी हकीकत में बदलकर लोगों के अच्छे दिन लाने की जिम्मेदारी में विमुखता व विफलता दुखद, चिन्तनीय. बता दें कि भीमराव अंबेडकर का निधन छह दिसंबर को 1956 को हुआ था. देश की पहली सरकार में वे कानून मंत्री भी रहे थे. जबकि संविधान सभा में उन्होंने अहम जिम्मेदारी निभाई थी. बीएसपी प्रमुख ने कहा, ÷बाबा साहेब डा. अम्बेडकर का नाम आते ही संवैधानिक हक के तहत लोगों के हित, कल्याण, उनके जान-माल-मजहब की सुरक्षा तथा आत्म-सम्मान व स्वाभिमान के साथ जीने की गारण्टी की याद आती है. अतः रोजी-रोटी, न्याय, सुख-शान्ति व समृद्धि से वंचित लोगों की सही चिन्ता ही उन्हें सच्ची श्रद्धाजलि.

मथुरा में धारा 144 लागू, कई लोग नजरबंद, सिविल पुलिस और क्क्स्ष्ठ ने सख्त की सुरक्षा व्यवस्था

मथुरा। द्वारका सेक्टर-19 के डिस्ट्रिक्ट पार्क में एक शव मिला है. मृतक की पहचान दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक यूनिट में के रूप में हुई है. सर्विस पिस्टल से गोली लगने का अंदेशा है. क्राइम व स्न्नस्रुकी टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया. प्रथम दृष्टि से यह आत्महत्या का मामला लग रहा है।

सर्वदलीय बैठक में 31 पार्टियों ने लिया हिस्सा–शीतकालीन सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बताया, ÷हम हर मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं, विपक्ष की ओर से कुछ सुझाव आए हैं. स्पीकर और चेयरमैन की अनुमति के बाद चर्चा होगी. 47 पार्टियों में से 31 पार्टियों ने इस बैठक में हिस्सा लिया.

नवी मुंबई के चार सरकारी अस्पतालों में जोड़े गए 50 एनआईसीयू बिस्तर–बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए नवी मुंबई नगर निगम के चार अस्पतालों के नियोनेटल इंटेंसिव केयर यूनिट्स (एनआईसीयू) में 50 और बिस्तर जोड़े गए हैं. निकाय अधिकारियों ने यह जानकारी दी. नगर निकाय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि नवी मुंबई के नगर आयुक्त राजेश नार्वेकर ने सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की समीक्षा की और वहां अतिरिक्त एनआईसीयू बिस्तर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया.

जब भी समानता, न्याय की बात होती है, बाबा साहेब का नाम गौरव से लिया जाता है: सीएम योगी–उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि दुनिया में जब भी स्वतंत्रता, समानता, न्याय और बंधुता की बात होती है, तो बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर का नाम गौरव के साथ लिया जाता है. आदित्यनाथ ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार डॉ. आंबेडकर की याद में एक भव्य सांस्कृतिक केंद्र एवं स्मारक का निर्माण करेगी.

शाही ईदगाह मस्जिद की ओर जा रहा हिंदू महासभा नेता गिरफ्तार, कई नजरबंद–बाबरी विध्वंस दिवस पर मंगलवार को लड्डू गोपाल का जलाभिषेक और हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिये मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि परिसर स्थित शाही ईदगाह मस्जिद की ओर जाने की कोशिश कर रहे हिन्दू महासभा के आगरा प्रभारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. अपर पुलिस अधीक्षक नगर मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि शाही ईदगाह में लड्डू गोपाल का जलाभिषेक और हनुमान चालीसा का पाठ करने की हिंदू महासभा की घोषणा के मद्देनजर मस्जिद की तरफ जाने का प्रयास कर रहे महासभा की आगरा इकाई के प्रभारी सौरभ शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है.

राजस्थान के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री दर्ज–राजस्थान के फतेहपुर में सोमवार रात का न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार, बीती रात न्यूनतम तापमान चुरू में 4.2 डिग्री सेल्सियस, सीकर में 5.0 डिग्री, करौली में 6.0 डिग्री, अलवर में 6.8 डिग्री, नागौर में 6.9 डिग्री तथा संगरिया एवं पिलानी में 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

मथुरा में धारा 144 लागू–मथुरा में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा रही है. पूरे क्षेत्र को सुपर जोन और सेक्टर में बांटकर सिविल पुलिस, क्क्स्ष्ठ, ट्रेफिक अधिकारी लगातार इसमें काम कर रहे हैं. धारा 144 लगी हुई है. मामले में कई लोगों को हमने नजरबंद किया है। दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से एक डिग्री कम 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. मौसम विज्ञान विभाग कार्यालय ने दिन में मुख्य रूप से आसमान साफ ??रहने का पूर्वानुमान जताया है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि सुबह करीब नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 343 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में रहा. सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 90 फीसदी रहा.

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में इस महीने लाई जाएंगी 60,000 करोड़ रुपये की निवेश योजनाएं–यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र में दिसंबर में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश के लिए योजनाएं लाई जाएंगी. इनमें डेटा सेंटर, चिकित्सा उपकरण पार्क, संस्थागत और समूह हाउसिंग योजनाएं शामिल है. इससे एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. इस निवेश से न सिर्फ यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र बल्कि उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों को फायदा मिलेगा.

नोएडा की तर्ज पर ग्रेटर नोएडा में लागू होगी 'श्वान नीति'–ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कुत्तों के काटने के बढ़ते मामलों के मद्देनजर नोएडा की तर्ज पर 'श्वान नीति' (डॉग पॉलिसी) लागू करेगा. ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक सलील यादव ने बताया कि अब तक तीन हजार कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण कराया जा चुका है. उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में ग्रेटर नोएडा में करीब आठ हजार लावारिस कुत्ते हैं.

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक शुरू–रक्षा मंत्री और भाजपा सांसद राजनाथ सिंह कल से शुरू हो रहे संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक के लिए पहुंचे. बैठक अब शुरू हो चुकी है.

हरिद्वार में जहरीला पानवाड़ फली खाने से 3 बच्चों की इलाज के दौरान मृत्यु–उत्तराखंड- हरिद्वार में जहरीला पानवाड़ फली खाने से 3 बच्चों की इलाज के दौरान मृत्यु हुई. स्क्क(क्राइम) रेखा यादव ने बताया, ÷खानपुर वन क्षेत्र का मामला है जहां बच्चे खेलते-खेलते इस पानवाड़ में गिर गए और फली खा गए जिसके बाद इनकी तबियत खराब हो गई और इनको अस्पताल ले गए. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बी.आर. अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी.

राजस्थान उपचुनाव: सरदारशहर सीट के लिए लगभग 72 प्रतिशत मतदान–राजस्थान में सरदारशहर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए सोमवार को 72 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने वोट डाले. निर्वाचन आयोग के एक प्रवक्ता के अनुसार, कुल मिलाकर 72.35 प्रतिशत मतदान हुआ. चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी और 295 मतदान केंद्र पर कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण रहा.

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि–दिल्ली- कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी सहित कांग्रेस सांसदों ने आज संसद में डॉ बी.आर. अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की.

मेरा दिल कहता है कि अनुच्छेद 370 बहाल होगा: उमर अब्दुल्ला–नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के नेता उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को कानूनी रूप से चुनौती दी है और उन्हें यकीन है कि जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल होगा. घाटी में मुख्यधारा के अन्य राजनीतिक दलों द्वारा उनकी पार्टी की आलोचना किए जाने का जिक्र करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि नेकां अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर लोगों को अंधेरे में नहीं रख रही है. उन्होंने कहा, ''हम लोगों को अंधेरे में कैसे रख रहे हैं? हम केवल यह कह रहे हैं कि हम इसे बहाल करने के लिए शांतिपूर्वक लड़ेंगे. हम संविधान और कानून के तहत इसके लिए लड़ेंगे.''

छुआछूत को खत्म किया बाबा साहब ने : डॉ शर्मा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । शहर कांग्रेस और नगर कांग्रेस ने संयुक्त रूप से डॉ भीमराव अंबेडकर जी का महापरिनिर्वाण दिवस उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनाया और उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर वार्ड नं4 भीमनगर में गांधी चौपाल का भी आयोजन किया सर्वप्रथम दोनों महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रघुपति राघव राजा राम भजन गाया।इस अवसर पर बोलते हुए शहर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डॉ राधेश्याम शर्मा ने कहा कि बाबा साहब ने छुआछूत को खत्म करने का बीड़ा उठाया और धर्म की आजादी के लिए भी कदम बढ़ाए बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रचार और चर्चाओं में शामिल हो गए और पत्रिकाओं को प्रकाशित करने, राजनीतिक अधिकारों की वकालत करने और दलितों के लिए सामाजिक स्वतंत्रता की वकालत की और भारत के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा।आंबेडकर द्वारा तैयार किए गए संविधान के पाठ में व्यक्तिगत नागरिकों के लिए नागरिक स्वतंत्रता की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए संवैधानिक गारंटी और सुरक्षा प्रदान की गई है, जिसमें धर्म की आजादी, छुआछूत को खत्म करना, और भेदभाव के सभी रूपों का उल्लंघन करना शामिल है। बाबा साहब भीमराव आंबेडकर ने महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक अधिकारों के लिए तर्क दिया, और अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के सदस्यों के लिए नागरिक सेवाओं, स्कूलों और कॉलेजों में नौकरियों के आरक्षण की व्यवस्था शुरू करने के लिए असेंबली का समर्थन जीता जो कि सकारात्मक कार्रवाई थी।इस अवसर पर बोलते हुए नगर कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी ने कहा बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी वास्तव में समान नागरिक संहिता के पक्षधर थे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी विदेश से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की डिग्री लेने वाले पहले भारतीय थे तर्क दिया कि औद्योगिकीकरण और कृषि विकास से भारतीय अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो सकती है उन्होंने भारत में प्राथमिक उद्योग के रूप में कृषि में निवेश पर बल दिया। शरद पवार के अनुसार, बाबा साहब ने सरकार को अपने खाद्य सुरक्षा लक्ष्य हासिल करने में मदद की बाबा साहब ने राष्ट्रीय आर्थिक और सामाजिक विकास की वकालत की, शिक्षा, सार्वजनिक स्वच्छता, समुदाय स्वास्थ्य, आवासीय सुविधाओं को बुनियादी सुविधाओं के रूप में जोर दिया उन्होंने ब्रिटिश शासन की वजह से हुए विकास के नुकसान की गणना की इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉ राधेश्याम शर्मा, संतोष त्रिपाठी, बलराम जाटव ,आनंद शाक्य, सुखप्रीत मिश्रा, कुलदीप भारद्वाज, मोहर सिंह जाटव सत्येंद्र गोयल कुलदीप सिंह ,लखपत सिंह राजेंद्र सिंह, मनोज गोयल, कमलेश जाटव, कुंदन सिंह अनिल कुमार जाटव आदि कांग्रेसी उपस्थित थे।

पुजारी नियुक्त होने से श्रद्धालुओं में हर्ष प्रशासन का जनता ने व्यक्त किया आभार

महेन्द्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

गोहद। गोहद नगर के कठंवा गेट वार्ड नं 0 10 में बने अतिप्राचीन मन्दिर श्री नरसिंह जी पर लम्बे समय से विवाद का पटाक्षेप राजस्व और पुलिस प्रशासन की विधिक सूझबूझ से हो गया । अभी तक मन्दिर में श्रद्धालुओं को दर्शन करने जाने में आपराधिक व्यक्तियों से भय का वातावरण मिल रहा था । दर्शनार्थी डर एवं भय के कारण मंदिर में भगवान के दर्शनों के लिये जाने से डरते थे । एस 0 डी 0 एम 0 गोहद शुभम शर्मा ने मंदिर पर महंत सरजूदास गुरु दयारामदास को पुजारी नियुक्त कर दिया है और पुलिस ने भी माहौल को शांत करने में अहम भूमिका निभायी है । ज्ञात हो कि मंदिर के महंत श्री दयाराम दास के ब्रह्मलीन हो जाने के पूर्व से मंदिर की पूजा अर्चना व देखभाल उनके शिष्य महंत सरजूदास जी कर रहे थे परन्तु कुछ आपराधिक और असामाजिक तत्व बार - बार पूजा अर्चना में व्यवधान पैदा कर रहे थे और मन्दिर व सम्पत्ति पर अवैधानिक रूप से कब्जा करने की नियत से तरह - तरह के षड़यंत्र रच रहे थे तथा पुजारी सरजूदास बाबा बाल ब्रह्मचारी को झूठे आरोप लगाकर फंसाने की कोशिश कर मंदिर से भगाने को प्रयासरत थे । पुलिस ने सजगता और तत्परता दिखाते हुये आरोपीगणों के विरूद्ध आपराधिक मामले कायम किये और मंदिर पर शांति का वातावरण कायम करने में एस 0 डी 0 ओ 0 पी 0 और थाना प्रभारी की भूमिका सराहनीय रही । पुजारी नियुक्त हो जाने के उपरान्त मंदिर में जाने वाले श्रद्धालुओं और जनता में हर्ष का माहौल व्याप्त है और राजस्व और पुलिस प्रशासन एवं पत्रकार बन्धुओं का आभार समस्त श्रद्धालुओं ने व्यक्त किया है ।

कच्चा बादाम पर अभिषेक संग थिरकीं उर्फी जावेद

बिग बॉस ओटीटी फेम एक्ट्रेस उर्फी जावेद आए दिन अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। पिछले दिनों उनका एक वीडियो भी वायरल हुआ था जिसमें उर्फी जावेद झूले पर चढ़कर शूटिंग करने के दौरान गिरते-गिरते बची थीं। उस वायरल वीडियो के बाद अब उर्फी जावेद का एक और वीडियो सामने आया है जिसमें उर्फी उडारियां फेम एख्टर अभिषेक कुमार के साथ डांस करती नजर आ रही हैं।

खुद से शादी करने वाली दीया और बाती हम एक्ट्रेस अब बनने वाली हैं मां

दीया और बाती फेम ऐक्ट्रेस कनिष्का सोनी कुछ महीने पहले तब चर्चा में आईं जब उन्होंने खुद से शादी की। दरअसल, कनिष्का ने सिंदूर और मंगलसूत्र के साथ अपनी फोटो शेयर की थी और बताया था कि उन्होंने खुद से शादी कर ली है। एक्ट्रेस की इस बात को सुनकर फैंस भी हैरान हो गए थे। कई ने उनके इस फैसले को सपोर्ट किया तो वहीं ज्यादातर लोगों ने उन्हें ट्रोल किया था। बता दें कि इस वक्त कनिष्का ने खुद को देवी भी बताया था और कहा था कि उन्हें किसी मर्द की जरूरत नहीं। अब उनकी शादी को 2 महीने भी नहीं हुए कि हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ फोटोज सामने आईं जिसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे कि शायद वह प्रेग्नेंट हैं। इस खबर के वायरल होने के बाद एक्ट्रेस का अब खुद रिएक्शन आ गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की और बताया कि क्या वह सच में प्रेग्नेंट हैं। कनिष्का ने अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं जिसमें वह किसी पार्क में नजर आई रही हैं। वहीं एक फोटो में वह पेड़ पर चढ़ी हुई दिख रही हैं। फोटोज शेयर कर कनिष्का ने लिखा, मैं सेल्फ मैरिड की तरह सेल्फ प्रेग्नेंट नहीं हूं। यह बस यूएसए का शानदार पिज्जा, बर्गर है जिसकी वजह से मेरा वजन बढ़ा है। लेकिन मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं। यहां एंजॉय कर रही हूं। कनिष्का ने अपना वीडियो शेयर किया था जिसमें वह रेड साड़ी, सिंदूर और मंगलसूत्र पहने नजर आई थीं। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा था कि ये उनका पहला करवा चौथ है जो मैंने अपने लिए रखा है क्योंकि मैं लंबी उम्र जीना चाहती हूं। मैं आज के समय की द्रौपदी हूं और अपना ध्यान खुद रख सकती हूं। आप लोगों को नहीं पता कि इतने सालों से मैंने क्या सहा है। लेकिन अब जाकर मुझे हिम्मत मिली। मैंने कभी झूठ नहीं कहा है। मेरा भगवान पर हमेशा विश्वास रहा है। कनिष्का ने कुछ दिनों पहले साजिद खान पर आरोप लगाए थे। कनिष्का ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया था जिसमें उन्होंने बताया था कि साजिद खान ने उन्हें साल 2008 में अपने जुहु वाले घर में बुलाया था। कनिष्का ने कहा था कि जब उन्हें झिझक हुई तो साजिद ने उनसे कहा था कि घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि मैं अपनी मां के साथ रहता हूं। लेकिन जब वह उनके घर गई तो उन्होंने उनसे अपना पेट दिखाने को कहा था। कनिष्का ने यह भी कहा था कि वह डर रही हैं कि अब क्योंकि उन्होंने इसा बारे में बताया है तो हो सकता है कि उनकी जान खतरे में हो क्योंकि उन्हें कोई सपोर्ट नहीं करेगा इसलिए वह भारत नहीं आना चाहती हैं।

बिग बॉस 16 में आया बड़ा ट्विस्ट, बीच शो से अर्चना गौतम को निकाला बाहर

बिग बॉस 16 से हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। बता दें कि हाल ही में बिग बॉस कंटेस्टेंट अर्चना गौतम को बिग बॉस ने शो से बाहर कर दिया गया है। मीडिया को मिली जानकारी के अनुसार अर्चना गौतम ने लड़ाई के दौरान शिव ठाकरे पर हाथ उठाया है। बताया जा रहा है कि अर्चना गौतम और शिव ठाकरे के बीच झगड़े के दौरान अर्चना गुस्से में अपना आपा खो बैठी थीं और वे हाथापाई पर उतर आईं। इतना ही नहीं अर्चना की हाथापाई के कारण शिव को चोट भी लगी है। इसी के चलते बिग बॉस ने अर्चना को शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बता दें कि चोट लगने के बाद शिव ठाकरे ने बिग बॉस से नियमों के मुताबिक अर्चना गौतम को शो से बाहर करने की अपील की थी। इसके बाद बिग बॉस ने जांच पड़ताल कर अर्चना को घर से बाहर करने का फैसला लिया। हालांकि इस बारे में अभी तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट नहीं आया है। अर्चना के फैंस अब उनकी फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्हें एंटरटेनमेंट क्वीन बता रहे हैं। साथ ही उन्हें शो में वापिस लाने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि बिग बॉस के शो में अर्चना को एक स्ट्रांग कंटेस्टेंट के रूप में देखा जा रहा था। वे टास्क के साथ-साथ घर के हर मुद्दे में इन्वॉल्व होती दिखाई देती थीं। उनकी कही बातें और डायलॉग काफी वायरल होते रहते हैं। दरअसल बिग बॉस के पहले भी अर्चना बॉलीवुड में काम कर चुकी हैं। वे मीडिया में काम करने के साथ-साथ राजनीति में भी उतर चुकी हैं, लेकिन उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

आलिया भट्ट हुईं अस्पताल से डिस्चार्ज, रणबीर कपूर की गोद में नजर आईं बेटी!

बॉलीवुड की बेहद खूबसूरत और टैलेंटिड एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शुमार आलिया भट्ट ने 6 नवंबर को बेटी को जन्म दिया। इस गुड न्यूज से आलिया और रणबीर कपूर के फैन्स खूब खुश हुए और सोशल मीडिया पर कपल को बधाई दी। आलिया- रणबीर के फैन्स बेटी की एक झलक देखन चाह रहे हैं। हाल ही में ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि रणबीर-आलिया, अस्पताल से बाहर आकर मीडिया के सामने नहीं आएंगे और ऐसा ही हुआ भी, कपल कार से अस्पताल से घर की ओर रवाना हो गया। सोशल मीडिया पर जो फोटोज और वीडियोज दिख रहे हैं, उन्हें देखकर ऐसा लग रहा है कि कार में आगे बैठे रणबीर की गोद में उनकी बेटी है, हालांकि रिफ्लेक्शन की वजह से साफ तौर पर कुछ कहना मुश्किल है। याद दिला दें कि आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल 2022 को शादी के बंधन में बंध गए थे। आलिया- रणबीर के वेडिंग और प्री वेडिंग फोटोज खूब वायरल हुए थे। इसके बाद 27 जून को आलिया भट्ट ने प्रेग्नेंसी की गुड न्यूज फैन्स के साथ शेयर की। आलिया भट्ट ने एक तस्वीर शेयर की थी, जो अस्पताल से थी और इस में उनके साथ रणबीर भी मौजूद थे। वहीं 6 नवंबर को आलिया भट्ट ने बेटी को जन्म दिया और एक प्यारा सा इंस्टा पोस्ट करते हुए इसकी भी जानकारी फैन्स के साथ शेयर की। बात आलिया के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की करें तो रणवीर सिंह के साथ आलिया भट्ट फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आएंगी। वहीं जी ले जरा में आलिया, कटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इन सभी प्रोजेक्ट्स के अलावा आलिया भट्ट, हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में भी जलवा बिखेरती नजर आएंगी। वहीं एसएस राजामौली की फिल्म भी लिस्ट में शामिल है। बात रणबीर के प्रोजेक्ट्स की करें तो वो ब्रह्मास्त्र से पहले शमशेरा में नजर आए थे। रणबीर के खाते में श्रद्धा कपूर के साथ एक फिल्म शामिल है, जिसका निर्देशन लव रंजन ने किया है। फिल्म का नाम अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। वहीं फिल्म एनिमल में भी रणबीर कपूर अपना जलवा बिखेरते दिखेंगे। रणबीर कपूर के साथ एनिमल में अनिल कपूर, बॉबी देओल और रश्मिका मंदाना नजर आएंगे। कुछ वक्त पहले रणबीर के रश्मिका संग कुछ फोटोज भी वायरल हुए थे।

किया शादी का ऐलान, एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर बधाई दे रहे फैन्स और सेलेब्स

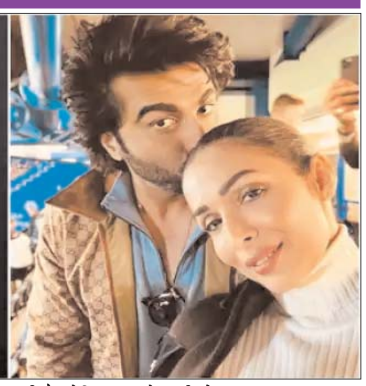

बॉलीवुड की सुपरफिट एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी अदाओं और फिटनेस से फैन्स के दिलों पर राज करती हैं। मलाइका अरोड़ा के फोटोज और वीडियोज अक्सर वायरल होते हैं, जिन पर फैन्स प्यार लुटाते हैं। मलाइका अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही अपनी लव लाइफ को लेकर भी खबरों में रहती हैं। मलाइका अरोड़ा, अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में हैं और एक्ट्रेस के एक पोस्ट से फैन्स कयास लगा रहे हैं कि दोनों ने गुपचुप सगाई कर ली है या फिर शादी का ऐलान कर दिया है। दरअसल मलाइका ने एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है। फोटो में मलाइका मुस्कुराते हुए साइड पोज रही हैं। मलाइका हमेशा की तरह ही कहर ढा रही हैं, लेकिन साथ ही साथ उन्होंने कैप्शन से कई सवाल फैन्स के मन में छोड़ दिए हैं। मलाइका ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मैंने हां कह दी। अब इस कैप्शन के बाद कुछ फैन्स का कहना है कि उन्होंने अर्जुन से गुपचुप सगाई कर ली है तो वहीं कुछ का कहना है कि शादी के लिए हां कह दी है और अब जल्दी ही शहनाई बजेगी।मलाइका के इस पोस्ट पर कई सेलेब्स ने भी उन्हें बधाई दी है। एक ओर जहां फैन्स अर्जुन और मलाइका की शादी- सगाई को लेकर खुश हो रहे हैं तो वहीं कई का ऐसा भी मानना है कि ये कोई प्रोमोशनल स्टंट हो सकता है, जो इससे पहले भी कई एक्ट्रेसेस कर चुकी हैं। कुछ वक्त पहले सोनाक्षी का भी एक ऐसा ही पोस्ट वायरल हुआ था। वहीं नेहा कक्कड़ ने भी शादी के कुछ वक्त बाद ही बेबी बंप का फोटो शेयर कर अपने नए गाने का प्रमोशन किया था। गौरतलब है कि अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा बीते लंबे वक्त से रिलेशनशिप में हैं। शुरुआती वक्त में दोनों ने इसे सभी से छिपाकर रखा था और इस बारे में कुछ भी कहने से बचते थे। वहीं कुछ वक्त बाद सोशल मीडिया पर इनके फोटोज वीडियोज सामने आने लगे और कपल भी एक दूसरे के पोस्ट्स पर रिएक्ट करने लगा। ऐसे में धीरे धीरे कुछ वक्त के बाद इस बारे में कपल खुलकर बात करने लगा। बता दें कि फैन्स को इनकी शादी का बेसब्री से इंतजार है।

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति एवं जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था की बैठक संपन्न

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद् विकासखण्ड लांजी के द्वारा सेक्टर 5 की बैठक ग्राम बेनेगांव मे आहुत की गई। जिसमे नवांकुर संस्था- यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण एवं जनकल्याण समिति लांजी के प्रभारी सेक्टर सचिव रमेश आसटकर एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बेनेगांव के पदाधिकारी श्रीमती रंजना बेदरे अध्यक्ष, श्रीमती ज्योति शक्करपुडे सचिव, श्री महेन्द्र शक्करपुडे कोषाध्यक्ष व सदस्यों तथा बीएसडब्लु छात्र पुष्पा बुढावने, ग्रामीणजन श्रीमती लीलाबाई मेश्राम, उपासराव बेदरे बैठक की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, जल संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण, नशा मुक्ती, एवं जैविक खेती जैसे महत्वपूर्ण विषयों चर्चा कर आगामी दिनों के लिये कार्य योजना तैयार की गई। बैठक के पश्चात सभी के द्वारा ग्राम बेनेगाव के शमशान घाट नाले में बोरी बंधान कार्य किया गया।

सीएमसीएलडीपी छात्राएं संस्कार शिक्षा केंद्र से कर रहीं व्यक्तित्व विकास

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर
अभिषेक कुशवाह

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के माध्यम से संचालित सीएमसीएलडीपी कोर्स की छात्राएं समीपस्थ ग्रामों में निशुल्क कोचिंग क्लासेस चलाकर बच्चों को शिक्षित कर रही हैं. मंडी बामोरा निवासी एमएसडब्ल्यू छात्रा मोना साहू ने बताया कि सरकारी और निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले पड़ोसी बच्चों को हमने निशुल्क कोचिंग और व्यक्तित्व विकास के लिए सरस्वती वंदना, वक्तव्य (भाषण) कला, जनसंपर्क का महत्व पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर जानकारियां देते हैं. शहरवासा निवासी छात्रा दीपिका राजपूत भी अपने आसपास के बच्चों को एक-डेढ़ घंटे रोजाना पढ़ाती हैं और व्यक्तित्व विकास पर ज्यादा जोर रहता है. संस्कार शिक्षा केंद्र चलाने का कार्य कौंसी की एम एमडब्ल्यू छात्र पूजा भार्गव, मथुरापुर निवासी और बीएमडब्ल्यू छात्रा रीना अहिरवार, निकिता विश्वकर्मा, वजीराबाद की छात्रा शिवानी चढ़ार भी करती हैं. उन्होंने बताया कि यह सब हमारे पाठ्यक्रम और असाइंमेंट का हिस्सा है. इस तरह से संस्कार शिक्षा केंद्र चलाने से बच्चे भी उत्साहित होकर पढ़ते हैं और हमे समाज के प्रति कुछ कर सकने और जागरूकता प्रसार का मौका मिलता है. इस काम में हमारी विकासखंड समन्वयक सीमा व्यास और परामर्शदाता मनीष मोहन भार्गव का भी सहयोग और मार्गदर्शन हमें मिलता रहता है और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेत्रत्व विकास कार्यक्रम का उद्देश्य भी यही है. ग्रामीणजन और स्थानीय सरपंच सचिव को भी हमने इस कार्यक्रम में बुलाया.

बंधक श्रमिकों को मुफ्त कराकर दी 30-30 हजार की सहायता राशि

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

बंधक श्रमिको का जीवन किसी काला पानी की सजा से कम नहीं होता है, जंहा मजदुरो के बेरहमी के साथ कार्य कराया जाता है। एक एसी ही जानकारी बालाघाट पुलिस को मिली कि बड़ी संख्या में श्रमिकों को सोलापुर में लोगों द्वारा बंधक बनाकर रखा गया था, उन्हें मुफ्त कराकर वापस लाया गया। बंधक श्रमिक से मुक्त करा कर लाए गए श्रमिकों को कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा 30-30 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ, श्रम पदाधिकारी सुश्री दामिनी सिंह उपस्थित थी। इन श्रमिकों को सोलापुर में जिन लोगों द्वारा बंधक बनाकर रखा गया था उनके विरुद्ध बाल श्रम अधिनियम एवं बंधक श्रम अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

माँ पांढरीपाठ धाम में भव्य श्री रामकथा का होगा आयोजन

राधाकृष्ण मंदिर फुले चौक में होगा आयोजन

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजलि टुडे बालाघाट

लांजी क्षेत्रान्तर्गत सुप्रसिद्ध देवी धाम माँ पांढरी पाठ ग्राम वारी में भव्य श्री राम कथा का आयोजन आगामी 8 दिसंबर को किया जा रहा है। पूज्य संत श्री श्रीराम ज्ञानीदास महात्यागी जी के मुखारविंद से श्री राम कथा का श्रवण धर्मप्रेमी भक्त जन करेंगे। वारी स्थित राधाकृष्ण मंदिर फुले चौक में उक्त आयोजन दोप.12 से 3 बजे तक किया जायेगा। आयोजन समिति के द्वारा समस्त धर्म प्रेमी भक्तो से श्री राम कथा का श्रवण करने हेतु राधाकृष्ण मंदिर फुले चौक ग्राम वारी पंहुचने की अपील की है।

विद्युत पेंशनर्स का मंत्रिमंडल 11 प्रतिशत महंगाई राहत को लेकर ऊर्जा मंत्री तोमर से मिला

ग्वालियर। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल गत दिवस विद्युत पेंशनर्स के साथ किए जा रहे पक्षपात पूर्ण व्यवहार एवं राज्य पेंशनर्स के अनुरूप 33 प्रतिशत महंगाई राहत को दिए जाने की मांग को लेकर मप्र के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर से मिला। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन ग्वालियर के उपाध्यक्ष इंजी एसके आहूजा व एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष एस के जायसवाल ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि जहां एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष एस के जायसवाल ने उन्हें अवगत कराया कि विद्युत कंपनी के ऊर्जा सचिव व प्रबंध संचालक गण विद्युत पेंशनर्स के साथ उपेक्षा पूर्ण व्यवहार कर आपको व मुख्यमंत्री को मिस गाइड कर रहे हैं व उन्हें अवगत कराया कि विगत माह मुख्यमंत्री के द्वारा राज्य पेंशनर्स को दो किस्तों में पहले 6 प्रतिशत व उसके बाद 5 प्रतिशत महंगाई राहत दिए जाने के आदेश के साथ ही कुल 33 प्रतिशत महंगाई राहत राज्य पेंशनर्स को दी जा रही है जो कि नियमानुसार विद्युत मंडल की कंपनियों को भी दी जानी चाहिए थी परंतु विद्युत कंपनियों के द्वारा विद्युत पेंशनर्स को नियमों की अनदेखी कर 11 प्रतिशत महंगाई राहत नहीं दी जा कर अभी भी 33 प्रतिशत के स्थान पर 22 प्रतिशत महंगाई राहत दी जा रही है इस कारण संपूर्ण मध्यप्रदेश के पेंशनर्स में शासन, कंपनी प्रशासन व भाजपा के प्रति आक्रोश है व विद्युत कंपनियों के इसी उपेक्षा पूर्ण व्यवहार के कारण ही विद्युत पेंशनर्स एसोसिएशन के द्वारा संपूर्ण प्रदेश में विगत 14 नवंबर से धरना आंदोलन शुरू कर 24 नवंबर को हजारों की संख्या में भोपाल में प्रदर्शन भी कर चुके हैं व भविष्य में शीघ्र ही यदि राज्य शासन के अनुरूप 11 प्रतिशत महंगाई राहत के आदेश नहीं होने पर विद्युत पेंशनर्स के द्वारा संपूर्ण प्रदेश में आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने प्रतिनिधिमंडल के समक्ष ही ऊर्जा सचिव संजय दुबे से फोन पर बात कर कहां की विद्युत पेंशनर्स को महंगाई राहत तो देनी ही है व इस समस्या का शीघ्र ही निदान की बातो उन्होंने कही व ऊर्जा सचिव को निर्देशित किया कि वे मंगलवार को भोपाल में मिलकर वस्तुस्थिति से उन्हें अवगत कराएं व आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री से बात कर 11 प्रतिशत महंगाई राहत दिए जाने की समस्या का निदान करें। प्रतिनिधिमंडल मे प्रांतीय उपाध्यक्ष एस के जायसवाल के अतिरिक्त रिटायर्ड चीफ इंजीनियर सर्वश्री व्ही के अस्थाना, एस के कंसल महाप्रबंधक गण सर्व पी के तिवारी, एच एस प्रतिहार, आर के एस राठौड़, एस मौर्य रिटायर्ड उप महाप्रबंधक गण सर्वश्री शरद आहूजा, एल के मित्तल, एम एस सोलंकी, अशोक शर्मा एवं एसोसिएशन के प्रांतीय संयुक्त सचिव जेपी नामदेव प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य एनआर अतरौलिया एवं एसोसिएशन के ही सर्वश्री राजेश शर्मा, अजय सिंह कुशवाहा, मन्नी सिंह, अनिरुद्ध सेन, भारद्वाज, एपी मोंगिया, आर शर्मा आदि सहित अनेकों पेंशनर्स शामिल थे।

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्यायें, दिए निराकरण के निर्देश

ग्वालियर। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई के तहत आज नगर निगम ग्वालियर में अपर आयुक्त आर के श्रीवास्तव एवं अपर आयुक्त मुकुल गुप्ता ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान उपायुक्त डॉ प्रदीप श्रीवास्तव, सुश्री मिनी अग्रवाल, शशिकपूर गढपाले सहित अन्य संबंधित विभाग अधिकारी उपस्थित रहे। सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं राजीव आवास योजना अंतर्गत मलिन बस्ती तथा गैर मलिन बस्ती के आवासों की राशि जमा

करने की तिथी बढाने के लिए अनेक हितग्राहियों द्वारा आवेदन दिया गया। जिसको लेकर संबंधित अधिकारी को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। साथ ही नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के पत्र पर नगर निगम में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के साथ ही समय पर वेतन भुगतान एवं ईपीएफ का पैसा जमा कराने लिए मांग पत्र दिया। जिसको लेकर संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही जनसुनवाई में पेयजल, अतिक्रमण, सफाई, विद्युत, आवास, सीवर सफाई आदि से संबंधित 26 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश निगमायुक्त ने दिए।

पिता की मौत के 2 वर्ष बाद भी नहीं मिला संबल योजना का लाभ

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले का मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर में आज हुई जनसुनवाई के दौरान दो बच्चे हैं अपने पिता की मृत्यु के 2 वर्ष बाद भी संबल योजना का लाभ पाने के लिए दर-दर भटक रही हैं लेकिन आज

बच्चियां लाभ पाने के लिए भटक रही

दिनांक तक उनको किसी प्रकार की योजना का लाभ नहीं मिल पाया है प्राप्त जानकारी के अनुसार कामनी बंशकार पुत्र स्वर्गीय सुरेश बंशकार निवासी सिलरा नरवर तहसील जिला शिवपुरी ने आज जन सुनवाई के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में बताया कि उसके पिता की मृत्यु 1 अप्रैल 2021 को एक्सीडेंट से हो गई थी लेकिन एक्सीडेंट से मृत्यु हो जाने के के बाद आज 2 वर्ष बीत गए हैं लेकिन आज दिनांक तक उनके द्वारा रजिस्टर कराए गए संबल योजना का लाभ नहीं मिल पाया

है वह अपने घर में बड़ी होने के नाते अपनी छोटी बहन की जिम्मेदारी भी उस पर है और वह चाहती है कि संबल योजना के द्वारा जो लाभ उसके परिवार को मिले उस पर उस लाभ से वह अपने परिवार का भरण पोषण अच्छी तरह से कर सके और अपनी छोटी बहनों को भी ढंग से पढ़ा सके इसलिए वह इस योजना का लाभ लेना चाहती है लेकिन संबंधित अधिकारी इस योजना का लाभ पीड़ित को नहीं दिला पा रहे हैं और एक ऑफिस से दूसरे ऑफिस घुमा रहे हैं इसलिए आज जनसुनवाई मैं आकर आवेदन प्रस्तुत किया है और अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उनको जल्द से जल्द इस योजना का लाभ दिलाया जाए।

भारतीय संविधान के रचयिता और समाज सुधारक डॉ. भीम राव अंबेडकर की आज (6 दिसंबर) मंगलवार को डबरा वृंदासहाय कॉलेज में पुण्यतिथि मनाई गई। राष्ट्र आज बाबा साहब की पुण्यतिथि मनाई गई

पवन विश्वकर्मा पुष्पांजलि टुडे

6 दिसंबर, 1956 को बाबा साहब का निधन हुआ था। उनका जन्म 14, अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव महू में हुआ था। संविधान निर्माता बाबा साहब की पुण्यतिथि पर मंगलवार को डबरा ग्वालियर शहर समेत विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। बाबा साहब का पूरा जीवन देश सेवा को समर्पित था। उन्होंने अपना पूरा जीवन दलित वर्ग को समाज में समानता दिलाने के लिए संघर्ष में लगा दिया। उनके विचारों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया। उनका स्पष्ट कहना था कि शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। यह स्वतंत्रता हमें अपनी सामाजिक व्यवस्था को सुधारने के लिए मिली है। भारत रत्न डा.भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि मंगलवार को डबरा ग्वालियर में वृंदासहाय कॉलेज में मनायी गयी। इस अवसर पर अंबेडकर विचार मंच (एम.ए- छात्र सतीश कुशवाहा) के द्वारा एक श्रद्धांजली सभा आयोजित कर उसके आदमकद तस्वीर पर फूलमाला चड़ा कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। सभा में मुख्य रूप से उपस्थित एम.ए छात्र सतीश कुशवाहा एवं सभी शिक्षक गणो,ने सम्बोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का मुल मंत्र था शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो। तभी हम एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते है। समता मुलक समाज की स्थापना किये बिना राष्ट के विकास की कल्पना के बारें में सोच ही नहीं सकते है। हमें बाबा साहब के मार्ग दर्शन पर चलना चाहिए। सभा का संचालन कर रहे द्व.ड्ड (एम.ए छात्र- सतीश कुशवाहा रमगढ़ा) प्रिंसिपल डॉ बीवी रजक प्रोफेसर एनआर माहोर प्रोफ़ेसर डॉक्टर प्रेम सागर, डॉ एस पी समोलिया, डॉ ओपी वर्कर, डॉ अरविंद नायक, वीरेंद्र मंडेलिया महावीर शर्मा, सभी शिक्षक गण एवं सभी छात्र उपस्थित रहे।

संघ की महिलाओं ने महेंद्र मुणोत को किया सम्मानित

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु। मागडि रोड़ स्थित गोपालपुरा महिला संघ द्वारा आयोजित अण्णम्मादेवी महोत्सव में संघ की महिलाओं ने मुख्य अतिथि मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत को शॉल मैसूर फेटा पहनाकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर जरूरतमंद महिलाओं को साड़ियां वितरित की गई 7 मुणोत ने संघ की महिलाओं को धन्यवाद ज्ञापित कीया ।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

मेला व्यापारी संघ सुरक्षा को लेकर पुलिस और समितियों में प्रतिनिधित्व पर सचिव से मिला

ग्वालियर। इस बार भी ग्वालियर व्यापार मेले का संचालन प्रशासकीय समितियों द्वारा किया जा रहा है। इन समितियों में प्रशासकीय अधिकारियों के अलावा ग्वालियर व्यापार मेला संघ के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए, इसे लेकर ग्वालियर व्यापार मेला संघ के पदाधिकारियों ने मेला सचिव से मुलाकात की और ज्ञापन दिया। व्यापार मेला संघ का कहना है कि संघ के प्रतिनिधियों के शामिल होने से मेला संचालन में सहूलियत होगी। वहीं मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संघ का प्रतिनिधि मंडल गोले का मंदिर थाना प्रभारी से मिला, और दुकाने लगाने के लिए आ रहे व्यापारियों और उनके कर्मचारियों की सुरक्षा की बात कही, थानाप्रभारी ने भी आश्वस्त करते हुए कहा की सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी एवं रात्रि गश्त हेतु पुलिस बल को भी बढ़ाया जाएगा। ज्ञापन पत्र देने में महेन्द्रभदकारिया, महेश मुदगल, अनिल पुनियानी, उमेश उप्पल,कल्ली पंडित, बब्बन सेंगर, अनुज सिंह, सुरेश हिरयानी, राजू कँसाना, राहुल चौहान उपस्थित थे।

टैक्सी यूनियन ने दिया मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम का ज्ञापन

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। कवर शिवपुरी जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर में जनसुनवाई के दौरान आज शिवपुरी शहर की टैक्सी यूनियन ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन सौंपा है जिसमें उन्होंने बताया कि शहर में चल रहे सभी ऑटो थ्री व्हीलर है और यातायत प्रभारी द्वारा उनके लगातार चालान किए जा रहे हैं यातायात प्रभारी द्वारा टेक्सी ड्राइवरों से हैवीवेट वाला लाइसेंस मांगा जाता है लेकिन टैक्सी मानव का कहना है कि क्या चीज है रियल में ना आने के कारण उनको हैवी लाइसेंस नहीं दिया जाता और लाइट लर्निंग लाइसेंस पर ही टैक्सी चलाने की अनुमति दी जाती है लेकिन बार-बार यातायात प्रभारी को बताने के पश्चात भी अभी तक उन्होंने किसी प्रकार की कार्यवाही टैक्सी चालकों पर बंद नहीं की गई है टैक्सी चालकों का कहना है कि शहर की गलियों में एक भी रोड ऐसी नहीं है जिस से टैक्सी ले जाना उनके लिए उचित हो और ना ही टैक्सी स्टैंड बनाया गया है स्थानीय पुलिस और यातायात प्रेस कभी भी टैक्सी ड्राइवरों पर भारी-भरकम चालान कर देती है एवं पुलिस के लोगों से कुछ कहने या निवेदन करने से पुलिस के लोग टैक्सी ड्राइवरों को डंडों से बुरी तरह पीटते हैं टैक्सी चालकों का कहना है यह तो हमारे साथ होने वाली रोज अभद्रता की वजह से हम शहर में टैक्सी ना चलाएं क्योंकि शहर की सड़कों और गलियों को देखते हुए टैक्सी 3 या 4 सालों में हालत खराब हो जाती है और आरटीओ विभाग द्वारा ऑटो चालकों से पूर्व में ही 15 वर्षों तक का टैक्स जमा करा लिया जाता है इसके बाद उनको टैक्सी चलाने की अनुमति मिलती है जब हमारी टैक्सी अधिकतम 5 वर्षों में ही दयनीय स्थिति पर पहुंच जाती है तो हम 10 साल का एक्स्ट्रा टैक्स क्यों वसूला जाता है इसको माननीय न्यायालय के संगत में भी दिया गया है हार्डवेयर द्वारा मात्र 3 दिन महा का परमिट किया जाता है और भारी-भरकम वसूली की जाती है

ऑटो यूनियन अध्यक्ष बनवारी धाकरे ने बताया कि वह 20 वर्षों से ऑटो यूनियन का अध्यक्ष है तथा सभी फोटो चालकों से अध्यक्ष होने के नाते वह आत्मीय संबंध से भी जुड़ा है और और ऑटो चालकों की दयनीय स्थिति से वह स्वयं भी पीड़ित है और साथ ही अन्य ऑटो चालकों की दयनीय स्थिति भी नजदीक से देखता रहा है इसके बारे में बार-बार यातायात प्रभारी को बताए जाने पर भी वह उनकी बात को नहीं सुनते हैं इसलिए आज मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन दिया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478